https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
शुक्रवार, 8 मई 2026
वर्ष 18 अंक 230
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 35° से.
न्यूनतम : 24° से.

jantaunion@gmail.com

मैरी हत्याकांड की पैरवी करने वाले एडवोकेट की हत्या...- 3 | विद्युत आपूर्ति रोस्टर के अनुरूप नियमित सुनिश्चित ...-8

सार संक्षेप

हंतावायरस का कहर: क्रूज शिप पर मौत, इंसान से इंसान फैलने वाले वायरस से दुनिया में दहशत

सेंट हेलेना (जीएनएस)। एमवी होंडियस से जुड़ा हंतावायरस का प्रकोप कई देशों में चिंता का विषय बना हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारी अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यात्रा के दौरान कितने यात्री इसके संपर्क में आए होंगे। नवीनतम घटनाक्रम अब दक्षिण अटलांटिक महासागर के सुदूर द्वीप सेंट हेलेना पर उतरे यात्रियों के एक समूह के इर्द-गिर्द केंद्रित है। डच अधिकारियों के अनुसार, सेंट हेलेना में रुकने के दौरान लगभग 40 यात्रियों ने क्रूज जहाज छोड़ दिया था। बताया जाता है कि इस समूह में एक डच यात्री की पत्नी भी शामिल है, जिसकी बाद में इस प्रकोप के दौरान मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि जहाज से उतरी एक डच महिला और एक स्विस पुरुष का वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में चिकित्सा उपचार चल रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ट्रंप का ईरान को अल्टीमेटम, कहा- शर्तें नहीं मानीं तो होगी बमबारी

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की स्थिति में ईरान पर और ज्यादा बमबारी करने की धमकी देते हुए चेतावनी दी है। इस बीच, युद्ध खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते के करीब पहुंचने की खबर भी सामने आई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियस की खबर में अमेरिकी अधिकारियों और दो अज्ञात सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने को लेकर एक पृष्ठ के सहमति पत्र को मंजूरी देने और विस्तृत परमाणु वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा तय करने के करीब पहुंच गए हैं। खबर के अनुसार अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान अगले 48 घंटे के अंदर विभिन्न प्रमुख बिंदुओं पर अपनी प्रतिक्रिया देगा। हालांकि खबर में यह भी कहा गया है कि अभी कुछ तय नहीं है। खबर में कहा गया है कि युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार दोनों पक्ष किसी समझौते के इतनी ज्यादा करीब पहुंचे हैं। ट्रंप ने ''ट्रुथ सोशल'' पर एक पोस्ट में कहा, अगर ईरान पहले से तय शर्तों को मान ले तो इस समय जारी बड़ा सैन्य अभियान एपिक फ्यूरी खत्म हो जाएगा। समुद्री नाकाबंदी हट जाएगी और होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान समेत सभी के लिए खुल जाएगा।

बेरूत में इजराइल का बड़ा हमला: हिज्बुल्लाह की रिज़वान फ़ोर्स के कमांडर मालेक बालू को मार गिराने का दावा

तेल अवीव (जीएनएस)। इजराइल और हिजबुल्ला समूह के बीच 17 अप्रैल को युद्धविराम की घोषणा के बाद बुधवार को इजराइल ने पहली बार बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया।इज़रायली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर बमबारी की है और दावा किया है कि उन्होंने हिज्बुल्लाह की रिज़वान फ़ोर्स के कमांडर मालेक बालू को मार गिराया है। इससे पहले, बेरूत में आखिरी हमले आठ अप्रैल को हुए थे, जब मध्य बेरूत समेत कई जगहों पर इजराइल के हमलों में 350 से अधिक लोग मारे गए थे। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि बुधवार के हमले में हिजबुल्ला के राद्वान बल के एक कमांडर को निशाना बनाया गया था। हिजबुल्ला ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

अब ममता बनर्जी नहीं रहीं मुख्यमंत्री, राज्यपाल आरएन रवि ने भंग की विधानसभा

कोलकाता (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने मंत्रिमंडल भंग कर दिया है। इसका मतलब है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी अब पूर्व राज्य की मुख्यमंत्री नहीं हैं। 71 वर्षीय बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था और लगातार भाजपा पर वोटों की लूट और अनैतिक तरीके से बंगाल चुनाव जीतने का आरोप लगाते हुए अपने पद पर अड़ी रहीं। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की 207 सीटों पर शानदार जीत के एक दिन बाद, जिसने तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के निरंतर शासन का अंत कर दिया, बनर्जी ने परिणाम को षड्यंत्रित करार दिया और जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी चुनाव आयोग से लड़ रही है, भाजपा से नहीं। टीएमसी को केवल 80 सीटें ही मिल सकीं। उन्होंने पद छोड़ने से इनकार करते हुए कहा कि मैं इस्तीफा क्यों दूं? हम हारे नहीं हैं। जनादेश लूटा गया है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है? भरी हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जोर देकर कहा कि मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हम जनता के जनादेश से नहीं, बल्कि एक साजिश से हारे हैं। मैं हारी नहीं हूं, मैं लोकसभा नहीं जाऊंगी। उनका लहजा कभी शिकायत भरा तो कभी आक्रामक था। बनर्जी ने मतगणना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीटें लूटी गई हैं और उनकी पार्टी का मनोबल गिराने के लिए मतगणना की गति जानबूझकर धीमी की गई थी। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें कल मतगणना केंद्र के अंदर लात मारी गई, धकेला गया और बदसलूकी की गई।' उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय बल के जवान मतगणना केंद्रों के बाहर गुंडों जैसा व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए कहा, इतिहास में एक काला अध्याय लिख दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त खलनायक बन गए हैं। संविधान विशेषज्ञों के अनुसार, चुनाव हारने के बाद किसी मुख्यमंत्री द्वारा पद छोड़ने से इनकार करने की स्थिति की कल्पना पहले कभी नहीं की गई थी।

बीजेपी शपथ ग्रहण से पहले कोलकाता हाई अलर्ट पर, ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 4000 पुलिसकर्मियों का पहरा

कोलकाता (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में लगभग 4,000 पुलिसकर्मियों सहित बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए 900 एकड़ से अधिक के इस मैदान को लगभग 30 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। उन्होंने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में लगभग 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा और प्रत्येक 30 सेक्टर की निगरानी उपायुक्त या सहायक आयुक्त रैंक के एक पुलिस अधिकारी द्वारा की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि जरूरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल भी तैनात किया जा सकता है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय, लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें कार्यक्रम के लिए सुरक्षा योजना को अंतिम रूप दिया गया। इस कार्यक्रम में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि सीसीटीवी कैमरे पूरे परिसर की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम कर रहे हैं कि कोई भी प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु परिसर के अंदर न लाई जाए। आस-पास की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने आगे बताया कि शनिवार को भीड़भाड़ से बचने के लिए इलाके में यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन भी किए जा सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगाँठ पर भारतीय शसस्त्र सेना ने कही बड़ी बात, लंबे युद्ध की बजाय कम समय में लक्ष्य हासिल किये

नई दिल्ली (जीएनएस)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर आयोजित प्रेस वार्ता में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि इस अभियान ने साबित कर दिया है कि आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं, बल्कि देश की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आज भारत के रक्षा उपकरणों का 65प्रतिशत से अधिक हिस्सा देश में ही तैयार किया जा रहा है और यही आत्मनिर्भर क्षमता इस अभियान की सफलता का मजबूत आधार बनी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ लंबी और निरंतर लड़ाई की शुरुआत था। भारत अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर स्तर पर निर्णायक, पेशेवर और जिम्मेदार तरीके से कार्रवाई करता रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध कवि दुष्यंत कुमार की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा, सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि यह सूरत बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी घटना का अंत नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की नई नीति और नई दृढ़ता का आरंभ था। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने अभियान की रणनीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत ने बेहद संतुलित और नियंत्रित सैन्य दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने बताया कि दुनिया के कई हिस्सों में लंबे समय तक चल रहे युद्धों और संघर्षों के विपरीत भारत ने सीमित लेकिन प्रभावी सैन्य कार्रवाई की। भारतीय सेना ने तेजी और सटीकता के साथ अपने निर्धारित लक्ष्य हासिल किए और उसके बाद तब संघर्ष विराम का निर्णय लिया गया जब पाकिस्तान बातचीत के लिए मजबूर हुआ और उसने कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में भारतीय सेना ने ऐसा तीखा और नियंत्रित प्रहार किया जिससे दुश्मन की रणनीतिक क्षमता और जोखिम उठाने की मानसिकता पर गहरा असर पड़ा।

आतंकवाद को पालने वाले तंत्र को नष्ट करने के लिए भारत आज भी अडिग : मोदी

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की और आतंकवाद के विरुद्ध भारत के कड़े रुख को दोहराया। पीएम मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत न केवल आतंकवाद को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उसे पोषित करने वाले पूरे तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प पर आज भी अडिग है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य और आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य अभियान के एक वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद को हराने और उसे पोषित करने वाले तंत्र को नष्ट करने के अपने संकल्प में पहले की तरह ही अडिग है। पीएम मोदी ने कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेजोड़ साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने की हिमाकत करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

बिहार की राजनीति का नया अध्याय: नीतीश के बेटे निशांत बने मंत्री, सम्राट की टीम में 32 नए चेहरे शामिल

पटना (जीएनएस)। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नीतीश कुमार, राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अन्य नेताओं की उपस्थिति में हुआ। मंत्रिमंडल विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए। सबसे पहले श्रवण कुमार, विजय कुमार सिन्हा, दिलीप कुमार जयसवाल, निशांत कुमार और लेशी सिंह ने बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। पांच-पांच विधायकों ने एक साथ मंत्रीपद की शपथ ली है। दूसरी बार में राम कृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर और अशोक चौधरी ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं की उपस्थिति में बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन और रमा निषाद ने पटना में बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली। रत्नेश सादा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने बिहार मंत्री के रूप में शपथ ली।

सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या

बंगाल में चुनावी हिंसा का खूनी खेल! चंद्रनाथ रथ पर घात लगाकर किया गया हमला

कोलकाता (जीएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के ऐतिहासिक नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में शुरू हुआ हिंसा का दौर थमता नज़र नहीं आ रहा है। उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में बुधवार रात भाजपा के कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक और भरोसेमंद सहयोगी चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने राज्य में एक बार फिर राजनीतिक प्रतिशोध और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हत्या को पहले से तय हत्या और निजी नुकसान बताते हुए, अधिकारी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की। रथ, जो कई सालों से अधिकारी के साथ काम कर रहे थे, पर बुधवार रात उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में हमला किया गया। उन्हें कई गोलियां लगीं और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसे एक दर्दनाक हत्या बताते हुए, बीजेपी नेता ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

तमिलनाडु में सियासी संकट: राज्यपाल का विजय को दो टूक जवाब- पहले बहुमत, फिर सीएम की शपथ

तमिलनाडु (जीएनएस)। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर गतिरोध के बीच, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) प्रमुख विजय को स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ तभी लेने दी जाएगी जब उनके पास बहुमत होगा। सूत्रों के हवाले से एनआई ने बताया कि अर्लेकर ने कहा कि वे राज्य में एक स्थिर सरकार चाहते हैं और बहुमत साबित होने तक इंतजार करेंगे। विजय ने गुरुवार को तमिलनाडु के राज्यपाल से मुलाकात कर राज्य में सरकार बनाने का प्रयास किया। इस मुलाकात के दौरान, विजय ने

जोर देकर कहा कि विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता होने के नाते, उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। विजय ने यह भी विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सदन में अपना बहुमत साबित कर देगी। सीपीआई के तमिलनाडु राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने राज्यपाल से विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने और विधानसभा में पार्टी को अपना बहुमत स्थापित करने की अनुमति देने का आग्रह किया। एक बयान में, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेता ने कहा कि 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश आया है। उन्होंने कहा कि टीवीके सदन में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। वीरपांडियन ने तर्क दिया कि राज्यपाल द्वारा पद की शपथ दिलाने से पहले बहुमत के समर्थन का प्रमाण मांगना अनुचित होगा। सीपीआई नेता के अनुसार, संवैधानिक परंपरा के अनुसार सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का पहला अवसर दिया जाना चाहिए।

रानी कपूर-प्रिया कपूर विवाद में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ की एन्ट्री, सुप्रीम कोर्ट ने बनाया मध्यस्थ

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने आदेश में संजय कपूर परिवार ट्रस्ट विवाद में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया। यह विवाद दिवंगत उद्योगपति की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर के बीच है। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला की अध्यक्षता में और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान सहित दो न्यायाधीशों की पीठ ने सभी पक्षों के मध्यस्थता के लिए सहमत होने के बाद यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने सभी हितधारकों से पूरे विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए खुले मन से मध्यस्थता कार्यवाही में भाग लेने का आग्रह किया। न्यायाधीश ने आगे कहा कि सभी पक्षों को खुले मन और सकारात्मक भावना के साथ भाग लेना चाहिए ताकि मुकदमेबाजी लंबी न चले। यह पारिवारिक विवाद है। इसे परिवार तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। इसे मनोरंजन का जरिया नहीं बनाया जाना चाहिए।

भारत को घेरने के लिए बाँग्लादेश ने मिलाया चीन से हाथ

सीलीगुढी कॉरिडोर के पास ड्रैगन देगा दस्तक

नई दिल्ली (जीएनएस)। भारत और बांग्लादेश के संबंधों में इस समय कई जटिलताएं उभरती दिखाई दे रही हैं। एक ओर अवैध घुसपैठ और सीमा से लोगों को वापस भेजने का मुद्दा दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर तीस्ता नदी परियोजना को लेकर बांग्लादेश का चीन की ओर बढ़ता झुकाव दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति में नए संकेत दे रहा है। हाल के घटनाक्रम यह स्पष्ट करते हैं कि ढाका, बीजिंग और नई दिल्ली के बीच कूटनीतिक संतुलन तेजी से बदल रहा है। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने भारत में असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की चुनावी सफलता के बाद इस आशंका पर चिंता जताई कि कहीं सीमा पर संदिग्ध अवैध प्रवासियों को जबरन वापस भेजने की घटनाएं न बढ़ जाएं। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई है कि ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं होगा। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने भी संकेत दिया था कि यदि ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो ढाका प्रतिक्रिया देगा। देखा जाये तो अवैध प्रवासन और सीमा से लोगों को वापस भेजने का प्रश्न लंबे समय से भारत-बांग्लादेश संबंधों में संवेदनशील विषय रहा है। इसी बीच, सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना को लेकर सामने आया है। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने औपचारिक रूप से इस परियोजना के लिए चीन का सहयोग मांगा है। बीजिंग में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई वार्ता में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। चीन ने न केवल परियोजना में सहयोग की इच्छा जताई, बल्कि बेल्ट एंड रोड पहल के अंतर्गत बांग्लादेश के साथ आर्थिक, आधारभूत ढांचा, जल प्रबंधन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का भी भरोसा दिया। हम आपको बता दें कि तीस्ता नदी का सामरिक महत्व अत्यंत संवेदनशील है। यह नदी सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और लाखों लोगों की सिंचाई तथा आजीविका का आधार है। यह क्षेत्र भारत के अत्यंत महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी गलियारे के निकट स्थित है, जो पूर्वोत्तर भारत को देश के शेष भाग से जोड़ने वाली जीवनरेखा माना जाता है। ऐसे में चीन की संभावित भागीदारी भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा सकती है।

पंजाब बम धमाकों पर बढ़ा सियासी घमासान, बीजेपी ने सीएम भगवंत मान को भेजा मानहानि का नोटिस

जालंधर (जीएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को जालंधर और अमृतसर में हुए दोहरे बम धमाकों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने वाले उनके बयान के लिए मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा और उनसे अपने दावे का सबूत देने या पद से इस्तीफा देने को कहा। मंगलवार रात पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास हुए दो सिलसिलेवार धमाकों से दहशत फैल गई और विपक्षी दलों ने इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भगवंत मान सरकार को निशाना बनाया। बुधवार को मान ने दोनों धमाकों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी इसी तरह कर रही है। पहला विस्फोट जालंधर में सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर रात करीब 8 बजे हुआ, जबकि दूसरा विस्फोट अमृतसर के खासा में सेना शिविर के पास रात करीब 11 बजे हुआ। मुख्यमंत्री के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा नेता चुघ ने गुरुवार को कहा कि मान ने बिना किसी सबूत के भाजपा पर बम धमाकों में संलिप्तता का आरोप लगाकर मुख्यमंत्री पद की गरिमा को पूरी तरह से धूमिल कर दिया है।

डबल एनकाउंटर: मथुरा पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो बदमाश ढेर

■ 30 लाख की डकैती में शामिल थे दोनों बदमाश ■ कुख्यात बाबरिया गिरोह के सदस्य हैं मारे गये दोनों बदमाश

मथुरा। जिला चिकित्सालय पर मौजूद एसएसपी श्लोक कुमार, जहां घायल दोनों बदमाशों को उपचार के लिए लाया गया था।

मथुरा - जनता यूनियन । गुरुवार की सुबह मथुरा पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो बदमाश ठेर हो गये। दोनों बदमाश 23 अप्रैल की रात को टैंटीगांव में कारोबारी के यहां पडी 30 लाख रुपये की डकैती में शामिल थे। डकैती की घटना के बाद स्थानीय विधायक राजेश चौधरी, डीआईजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार ने भी घटना स्थल का मुआयना किया था। एसएसपी ने बताया कि व्यापारी के घर वारदात देने वाले बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से दोनों घायल हुए। उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। दोनों का लंबा आपराधिक इतिहास है। इस कार्रवाई के दौरान दो सिपाही भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश सीसीटीवी कैमरे तोड गये थे और डीवीआर को निकाल ले गये थे। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने बदमाशों की तलाश में पुलिस की 17 टीमें का गठन किया था। पुलिस टीम लगातार बदमाशों की टोह लेने में लगी हुई थीं। गुरुवार की सुबह पुलिस टीम के साथ बमदाशों की मुठभेड़ सुरीर क्षेत्र में ही हुई, इसी क्षेत्र में बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया था। मुठभेड़ में मारे गये दोनों बदमाशों का संबंध कुख्यात बावरिया गैंग से बताया जा रहा है। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा और स्वाट टीम का एक सिपाही भी घायल हुआ है। दोनों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, मारे गए दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास काफी लंबा और गंभीर रहा है। धर्मवीर उर्फ लंबू, जो राजस्थान के भरतपुर का निवासी था, पर राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई थानों में करीब 16 मामले दर्ज थे, जिनमें कई में वह वांछित चल रहा था। राजेंद्र उर्फ पप्पू, जो अलवर का रहने वाला था, उसके खिलाफ राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थानों में डकैती, लूट और आर्म्स एक्ट के तहत करीब 11 मामले दर्ज थे।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने की एनईपी परीक्षाओं एवं नए शैक्षिक सत्र की समीक्षा

मथुरा। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत बैठक लेती हुई।

मथुरा - जनता यूनियन । टीएफसी वृंदावन के कॉन्फ्रेंस हॉल में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत आयोजित परीक्षाओं एवं आगामी उच्च शिक्षा सत्र 2026-27 को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रोफेसरों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान माननीय मंत्री द्वारा नकलविहीन एवं पारदर्शी परीक्षा आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी महाविद्यालयों को पूर्ण सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। इसके साथ ही मंत्री ने महाविद्यालयों में छात्र छात्राओं को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं पर विशेष बल दिया। उन्होंने नारी वंदन अभियान के अंतर्गत छात्राओं से जुड़े प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए प्रत्येक उच्च शिक्षा परिसर में स्वच्छ शौचालय, सुव्यवस्थित कॉमन रूम तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग को अनिवार्य बताया। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. ललित मोहन शर्मा (प्राचार्य, बीएसए कॉलेज), डॉ. विनय चौधरी (प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय वृंदावन), डॉ. गोविंद चावला, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. एस.के. राय, डॉ रवीश शर्मा, डॉ. वीपी राय, डॉ. बीके गोस्वामी, फतेह कृष्ण, डॉ. यू.के. त्रिपाठी, शाहरुख उस्मानी एवं अमित कुमार सहित विभिन्न शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सोशल मीडिया को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

मथुरा - जनता यूनियन । मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण में 30 दिवसीय महिला सशक्तिकरण और जागरूकता अभियान के क्रम में थाना कोतवाली से भरतपुर गेट के आसपास क्षेत्र में मिशन शक्ति व उनके अधिकारों व महिला संबंधी अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया गया व छोटी छोटी बच्चियों को गुड टच बेड टच के बारे में बताया गया। महिलाओं को बताया गया कि बस, रास्तों, सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेड़खानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफआईआर के लिए जागरूक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरूक करने के लिए संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निर्देशों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातलीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइबर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

09 मई को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत

मथुरा - जनता यूनियन । माननीय मुख्य न्यायाधिपति, सर्वोच्च न्यायालय / मुख्य संरक्षक, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं माननीय वरिष्ठ न्यायमूर्ति, सर्वोच्च न्यायालय / माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा भारत वर्ष में माननीय उच्चतम न्यायालय से तहसील स्तर तक दिनांक 09 मई 2026 दिन द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 09.05.2026 दिन द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय, मथुरा में भी किया जाएगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के वादों (आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, सर्विस में वेतन सम्बंधित विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से सम्बंधित विवाद, राजस्व वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, अन्य सिविल वाद, किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, अन्य वाद) का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर अपने-अपने न्यायालयों में किया जाना है।

गोकुल में परशुराम शोभायात्रा 10 मई को

मथुरा - जनता यूनियन । गोकुल ब्राह्मण तीर्थ पुरोहित समिति के तत्वावधान में 10 मई को भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जायेंगी । तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत 8 मई को नवीन मन्दिर में परशुराम जी के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा प्रारम्भ होगी । 9 मई को अखण्ड रामायण पाठ, 10 मई को प्रातः हवन, यज्ञ एवं सायं 4 बजे से ब्रजमण्डल से पधारे वरिष्ठ विप्रो का सम्मान, संगोष्ठी तथा सायं 6 बजे से नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली जायेंगी । समिति ने विप्र बन्धुओं से शोभायात्रा सहित विभिन्न आयोजन में भाग लेने का अनुरोध किया है ।'

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य ने गांवों में चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं

ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी, शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिये

मथुरा। सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सत्येन्द्र कुमार बारी का कलेक्ट्रेट पर स्वागत करते लोग ।

मथुरा - जनता यूनियन । सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सत्येन्द्र कुमार बारी (बीनू) ने कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता की। आयोग के सदस्य ने कहा कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभांवित किया जा रहा है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा पात्र लाभार्थियों को जागरूक करना है सरकार की प्राथमिकता है। माननीय जी ने बताया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रमुख योजनाएं जैसे- प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि आदि योजनाएं गरीब, किसान, महिला एवं वंचित वर्ग के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्राम स्तर पर शिविरों का आयोजन कर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा ऑन द स्पॉट पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े। श्री बारी ने मीडिया के माध्यम से जनसामान्य से अपील की गई है कि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए नजदीकी कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा है कि किसी भी नागरिक को यह महसूस न हो कि उसकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा निरंतर रूप से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल के माध्यम से आम जनमानस की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। चौपालों के माध्यम से लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी जा रही है और उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रेस वार्ता के उपरांत माननीय सदस्य जी ने ग्रामसभा आशापुरी महोली रोड थाना कृष्णा नगर तथा ग्रामसभा रामपुर थाना मगोर्रा में जन चौपाल ली तथा ग्राम वासियों की समस्याओं का समाधान किया।

बरसाना में राधारानी के दर्शन के दौरान रेलिंग में दौड़ा करंट, भक्तों में मची अफरा तफरी

मथुरा। राधारानी मंदिर पर रेलिंग में करंट आने के कारण श्रद्धालुओं को रेलिंग से हटकर दर्शन कराते सुरक्षाकर्मी।

मथुरा - जनता यूनियन । बरसाना कस्बा के विश्व प्रसिद्ध श्रीजी मंदिर में गुरुवार को दर्शन के दौरान उस समय अफरा तफरी मच गई, जब मंदिर की लोहे की रेलिंग में अचानक करंट दौड़ने लगा। रेलिंग छूते ही कुछ श्रद्धालुओं को झटके महसूस हुए तो वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सेवायतों और मंदिर कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं को रेलिंग से दूर हटाया और फिर दूरी बनवाकर दर्शन कराना शुरू कर दिया। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए भय और असमंजस का माहौल बन गया। श्रद्धालु एक दूसरे को रेलिंग से दूर रहने की चेतावनी देते नजर आए। भीड़ अधिक होने के कारण मंदिर कर्मचारियों को व्यवस्था संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही मंदिर प्रशासन सक्रिय हो गया और विद्युत कर्मियों को मौके पर बुलाया गया। प्राथमिक जांच में किसी विद्युत तार में लीकेज या अर्थिंग की खराबी की आशंका जताई जा रही है। एहतियात के तौर पर रेलिंग के आसपास विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से लगातार अपील की जा रही है कि वे लोहे की रेलिंग को हाथ न लगाएं और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उधर घटना के बाद कई श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता भी जताई।

नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने नगर निगम पर निकाली भड़ास

वर्तमान कार्यकारिणी का एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर हुई बैठक

मथुरा। बैठक में मौजूद नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के सदस्य।

मथुरा - जनता यूनियन । नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की वर्तमान कार्यकारिणी के एक साल पूर्ण होने पर आयोजित नगर कार्यकारी बैठक में जहां एक साल के कार्यों का मूल्यांकन किया गया वहीं नगर के कोने कोने से मौजूद पदाधिकारीयो द्वारा नगर निगम की कार्य प्रणाली को लेकर जबरदस्त रोष था। निगम द्वारा पुराने बस अड्डे से होली गेट तक छोड़ी गई अधूरी सड़क, होली गेट से आर्य समाज, होली गेट से भरतपुर गेट सड़क व मसानी से भूतेश्वर तक की सड़कों की बदहाल स्थिति को देखते हुए निगम के खिलाफ निर्णायक आंदोलन करने की हुंकार भरी वही संगठन की मजबूती हेतु नवीन दायित्वो की घोषणा की गई व विद्युत विभाग की बदहाल व्यवस्था को लेकर भी व्यापारियों में रोष व्याप्त था। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल की अध्यक्षता में अग्रवाल धर्मशाला में हुई बैठक में अध्यक्ष द्वारा व्यापारी हितों व निरंतर एक वर्ष तक किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए संगठन विस्तार हेतु और अधिक सक्रियता से नगर के सभी बाजारों, कंपलेक्सों, मार्केट व मोहल्लों तक व्यवसाय समितियो के गठन की बात कही। उपस्थित उपाध्यक्ष गुरमुख दास व सुनील साहनी द्वारा पुराने बस अड्डे से होली गेट तक बनाई गई सड़क के दोनों और महीनो बाद भी फुटपाथ व नाली निर्माण न होने से व्यापारियों को हो रही नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया। वहीं सहमहामंत्री भगवान चतुर्वेदी व वरिष्ठ मंत्री विकास जिंदल द्वारा भैंस बहोरा नाले के निर्माण न होने, नगर में जगह-जगह सड़क निर्माण के लिए बाजारों को खोदे जाने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि संपूर्ण नगर को खोद कर डाल दिया है एक तरफ से निर्माण कार्य शुरू करना चाहिए व्यापारियों का दुकान पर बैठना मुश्किल हो गया है दिन भर धूल मिट्टी उठती है व राहगीर चुटेल होते है। युवा व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल व नगर मंत्री नागेंद्र वर्मा द्वारा नगर में हर समय लगने वाले जाम की और ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जाम के कारण ग्राहक शहर के अंदर खरीदारी करने नहीं आता यहां का व्यापारी इससे बहुत परेशान है हर चौराहे, तिराहे व बाजारों में हर समय जाम ही जाम रहता है ऐसा लगता है कि प्रशासन के पास कोई ठोस योजना ही नहीं है। बैठक में सबसे ज्यादा असंतोष नगर निगम की कार्य प्रणाली को लेकर था जिस पर तय किया गया कि शीघ्र ही व्यापारी नगर आयुक्त से मिलकर व्यापारिक समस्याओं व इन सड़कों की निर्माण के संदर्भ में वार्ता करेंगे व हल न निकलने पर एक जोरदार प्रदर्शन नगर निगम के खिलाफ किया जाएगा इसी तरह विद्युत विभाग के अधिकारियों को एक बार चेताया जाएगा सुधार नहीं होने पर व्यापार मंडल ऐसे अधिकारियों का घेराव करेगा व जाम की समस्या हेतु व्यापक कार्य योजना के साथ व्यापारी नए आए पुलिस अधीक्षक यातायात से मिलेंगे। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष व पार्षद चौधरी राजवीर सिंह, राज नारायण गौड, रवि अग्रवाल मास्टर, मंत्री विजयवीर सिंह, गिरीश खंडेलवाल, प्रेम शंकर अग्रवाल, अश्वनी गर्ग, महेश चंद्र गुप्ता, कन्हैया अग्रवाल, दिनेश गर्ग संगठन मंत्री उपेंद्र कुमार चतुर्वेदी, सचिन चतुर्वेदी, संजीव अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, योगेंद्र कुमार, पूरन सिंह सविता, लक्ष्मण कालरा, जगत बहादुर अग्रवाल कोषाध्यक्ष मीना लाल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने फूंका सरकार का पुतला, महंगाई को लेकर किया प्रदर्शन

मथुरा - जनता यूनियन । कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की बढ़ी कीमतों के विरोध में मथुरा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के बैनर तले व्यापारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान पर जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू भईया के नेतृत्व में व्यापारियों का जत्था रंगेश्वर मार्केट स्थित कैंप कार्यालय से पैदल मार्च करता हुआ होली गेट पहुंचा, जहां महंगाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और पुतला दहन किया गया। इसके बाद व्यापारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में एसडीएम चंद्रभूषण सिंह को राष्ट्रपति के नाम संबोधित नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। एसडीएम ने ज्ञापन स्वीकार कर उसे राष्ट्रपति तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू ने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में हुई अप्रत्याशित वृद्धि से खानपान व्यवसाय से जुड़े छोटे व्यापारियों पर गहरा असर पड़ा है। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ी हैं और बाजार में मंदी का माहौल बन गया है। उन्होंने मांग की कि सिलेंडरों पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया जाए, ताकि व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। जिला महामंत्री बबलू सैनी ने कहा कि पूरे प्रदेश में उद्योग व्यापार मंडल इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहा है और सरकार से मांग की जा रही है कि बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण किया जाए। इस दौरान भगवती चतुर्वेदी, सोनू अग्रवाल, पवन चौधरी लाला, नितिन कुमार, रजत सैनी, संजू सैनी, विक्की ठाकुर, गोपाल राजपूत, पीयूष कुमार, सक्षम कुमार, अज्जू सैनी, उदित गोयल, पप्पू पंडित सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर स्वगणना कार्य कराया

मथुरा - जनता यूनियन । अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व / जिला जनगणना अधिकारी डा0 पंकज कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का स्व-गणना कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर के समस्त अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा सम्पन्न किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्व-गणना, मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना आदि के संबंध में पीपीटी के माध्यम से सभी कलेक्ट्रेट परिसर के अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर स्वगणना कार्य कराया गया। अपर जिलाधिकारी डा0 पंकज कुमार वर्मा ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में दिनांक 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक आम जनमानस द्वारा स्वगणना पोर्टल के माध्यम से अपनी गणना ऑनलाइन की जा सकती है। प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 22 मई 2026 से 20 जून 2026 के मध्य संपादित किया जाएगा।

वृंदावन में 22 को निकलेगी महाराणा प्रताप की शोभायात्रा

सभी समाज के महापुरुषों की झांकियां होंगी आकर्षण का केंद्र

मथुरा। हक्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे।

मथुरा - जनता यूनियन । क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 22 मई को शहर में एक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसमें केवल महाराणा प्रताप ही नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के महापुरुषों की भव्य झांकियां शामिल की जाएंगी। वृन्दावन क्षत्रिय महासभा के बैनरतले गुरुवार दोपहर को श्री अंतर्यामी मंदिर में आयोजन की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में महासभा के अध्यक्ष धर्मेंद्र पाल सिंह ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा विशेष और समावेशी होगी। शोभायात्रा में महाराणा प्रताप ही नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के महापुरुषों की भव्य झांकियां शामिल की जाएंगी। जितेंद्र सिंह राणा ने कहा कि हमारा उद्देश्य महापुरुषों के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना और सामाजिक समरसता का संदेश देना है। वीरेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि महाराणा प्रताप की शोभयात्रा ठा अंतर्यामी मंदिर से प्रारंभ होकर स्नेह बिहारी मंदिर, दाऊजी मोड़, बनखंडी, लोई बाजार, प्रताप बाजार होकर गोविंद घेरा चुंगी के पास सम्पन्न होगी। ठा. हरिवल्लभ सिंह ने सभी नगरवासियों से इस गौरवशाली उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। इससे पूर्व आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा आमंत्रण पत्र का विधिवत रूप से विमोचन किया गया। इस मौके पर ठा धर्मसिंह, ठा.राधामण सिंह, ठा. लेखराज सिंह, ठा. पंकज मोरवाल, विवेक मोरवाल, ज्ञानी ठाकुर, विजय सिंह दूध वाले, नवीन सिंह, ठा.जतिन सिसौदिया, घनश्याम सिंह, रामप्रकाश सिंह, श्याम सिसोदिया, उदयपाल सिंह आदि थे।

मैरी हत्याकांड की पैरवी करने वाले एडवोकेट की हत्या में आरोपियों को आजीवन कारावास

इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सुनाया फैसला

झांसी जयूसं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच न्यायाधीश सलिल कुमार और डॉक्टर अजय कुमार की बेंच ने झांसी जिले के मैरी गांव में साल 2007 में चार लोगों के हुए हत्याकांड की पैरवी करने वाले अधिवक्ता पुष्पराज की हत्या में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट महेश चंद्र चतुर्वेदी और एडवोकेट हरिशचंद्र मिश्रा ने बताया कि 1 जुलाई 2007 को मृतक एडवोकेट पुष्पराज निवासी मुस्तरा थाना नवाबाद झांसी अपने भाई मनोज, जगदीश, माँ बिट्टी भाई और पत्नी विमला देवी के साथ घर पर टीवी देख रहा था, तभी रात 10:00 बजे मैरी गांव निवासी कृष्णपाल उर्फ लाला, भगवानदास और ऋषिपाल ने पुष्पराज को घर का दरवाजा खोलने के लिए कहा, सभी आरोपी बंदूक, कुल्हाड़ी और भाला लिए हुए थे। आरोपियों ने एडवोकेट पुष्पराज को मैरी हत्याकांड में मारे गए चार लोगों की पैरवी करने के लिए रोका। जब पुष्पराज ने इस बात का विरोध किया तो सभी आरोपियों ने पुष्पराज को घर से निकाल कर बंदूक के बट, भाला और फरसा से उसके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। पुष्पराज पर हमला होते देख उसके भाई मनोज उसकी पत्नी और माँ ने आरोपियों से पुष्पराज को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उन पर भी हमला बोल दिया था। परिवार वालों ने पुष्पराज को झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया लेकिन चोटें गंभीर होने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुष्पराज के परिजनों ने आरोपी कृष्णपाल उर्फ लाला, भगवानदास और ऋषि राज निवासी मैरी के खिलाफ थाना नवाबाद में हत्या का मामला दर्ज कराया था। इस मामले में गवाहों और सुनवाई के बाद निचली अदालत ने आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले के विरुद्ध आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की डबल बेंच की अदालत ने आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए निचली अदालत का फैसला बरकरार रखा।

यह था मैरी हत्याकांड

कोतवाली इलाके में बारह साल पहले हुए चौहरे हत्याकांड के अभियुक्तों की जमानत याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सभी आरोपियों को अदालत आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है।

उल्लेखनीय है कि 30 मार्च 2007 को थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बड़ागांव गेट बाहर देवेंद्र उर्फ देबू यादव, उसका भाई अरविंद यादव पुत्रगण संतोष यादव निवासी मैरी, बृजेंद्र पुत्र कालीचरण यादव, सुरेंद्र पुत्र मुन्नालाल यादव निवासी बंगलाघाट व बड़गांव गेट बाहर तलैया निवासी कमली कुशवाहा पुत्र भगवानदास, विनोद पुत्र रामस्वरूप निवासी मैरी ताश खेल रहे थे। इसी बीच दोपहर करीब एक बजे फिल्मी अंदाज में काले रंग की चार पहिया गाड़ी व तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने राइफल समेत अन्य शस्त्रों से हमला बोल गोलियां मार दी थीं। जिससे मौके चार लोगों ने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने इस मामले में सुमित यादव, अरविंद यादव, शिशुपाल यादव, शीतल यादव, रवि यादव, अजब सिंह यादव व लखन यादव पर मामला दर्ज किया था। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल भी कर दी थी, जहां कुछ समय बाद सभी अभियुक्तों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अभियुक्तों की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत याचिका डाली गई थी। दो मई को अदालत ने जमानत याचिका खारिज कर दी है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जन्मोत्सव पर हनुमान चालीसा का पाठ एवं प्रसाद वितरण

झांसी जयूसं। प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री एवं जनप्रिय नेता केशव प्रसाद मौर्य का जन्मदिवस नगर में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर प्रातःकाल शहर के प्राचीन एवं आस्था के केंद्र सखी के हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जहाँ उपस्थित श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान हनुमान जी से उपमुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर प्रगति की कामना की।

पूजा-अर्चना के उपरांत कार्यक्रम आयोजक विकास कुशवाहा के नेतृत्व में प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा सुधीर सिंह ने कहा कि आज हम सभी अपने प्रदेश केयशस्वी उपमुख्यमंत्री केशव का जन्मोत्सव धार्मिक रीति रिवाज से मना रहे आज प्रभु से इसी कामना है कि उनको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। एमएलसी रामतीर्थ सिंघल ने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य हम सभी कार्यकर्ताओं की प्रेरणा है आज उनके जन्मदिवस पर उनको हार्दिक बधाई। विधायक राजीव सिंह ने प्रसाद वितरण में भाग लिया एवं सभी को संबोधित करते हुए कहा आप सभी कार्यकर्ता आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के जन्मोत्सव के कार्यक्रम में आए एवं उनकी दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की हम सब उनके नेतृत्व में आगामी 2027 का चुनाव फिर जीतेंगे। कार्यक्रम के दौरान विकास कुशवाहा ने कहा कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एक ऐसे जननेता हैं, जिन्होंने अपने संघर्ष, समर्पण और कर्मठता के बल पर समाज के प्रत्येक वर्ग का विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने आगे कहा कि आज का यह आयोजन केवल जन्मदिवस मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उपमुख्यमंत्री को दीर्घायु प्रदान करें और वे इसी प्रकार प्रदेश एवं देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहें।

अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां सभी ने एक स्वर में उपमुख्यमंत्री के स्वस्थ, समृद्ध एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अर्पितदास महाराज मुकेश मिश्रा ,रानू देवलिया,संजीव अग्रवाल लाला , अमरसिंह कुशवाहा,सोनू वाजपेई,कपिल बिरसैनिया,चेतन ओझा,मनोज गुप्ता,विनीत खटीक, कुं.लाखन सिंह अस्ता , हेमंत पांचाल, अंकित राजा यादव,राघवेंद्र कुशवाहा, मिथलेश साहू,लखन कुशवाहा,अमित विश्वकर्मा ,रवि पाल नगरा,राहुल कुशवाहा,राहुल कुशवाहा पार्षद,धर्मेंद्र अहिरवार,हरिकृष्ण क,शवाहा,देशराज,सुरेंद्र पाल असहित कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन में धूम्रपान करते पाए जाने पर यात्रियों को जुर्माना लगाया

झाँसी जयूसं। झाँसी मंडल यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है । यात्रियों से अनुरोध है कि सिर्फ अधिकृत विक्रेताओं से खाद्य सामग्री खरीदें।

इस अभियान में सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक वीरेंद्र सिंह,सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार त्यागी, मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक मनोहर लाल मीणा,मुख्य टिकट निरीक्षक अशोक त्रिपाठी, किरण प्रताप आरमो,रामकेश मीना, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक झांसी श्री राघवेंद्र कुशवाहा,विनय कुमार, दिग्विजय सिंह सिकरवार , साकेत शुक्ला, विनीत भल्ला, कैटरिंग इंस्पेक्टर संजय जायसवाल,राजेश यादव एवं अशोक कुमार के साथ टिकट चेकिंग स्टाफ एवं आरपीएफ के जवान उपस्थित रहे।

जनपद के कृषि स्नातकोंकोस्वरोजगार का सुनहरा अवसर

झाँसी जयूसं। उप कृषि निदेशक एम पी सिंह ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषि स्नातकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश (बीज, उर्वरक, कीटनाशक, जैव कीटनाशक, जैव उर्वरक, माइक्रोन्यूट्रेन्ट्स, जिप्सम एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि) के साथ-साथ कृषि प्रसार सेवायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजनाऽ जनपद में संचालित है। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया में आवेदनकर्ता द्वारा कृषि विभाग की विभागीय वेबसाईट अथवा पर दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 30 मई, 2026 निर्धारित है। आवेदन करने हेतु कोई भी शुल्क देय नहीं होगा। उक्त योजना की विस्तृत जानकारी उप कृषि निदेशक, झाँसी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

जैन समाज की यात्रा में धावा, नकदी व जेवरात उड़ाए

झांसी जयूसं। जैन समाज की धार्मिक यात्रा में शातिर चोरों ने धावा बोलते हुए सोने की पांच चेन समेत नकदी उड़ा दी। इस मामले सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष ने नवाबाद थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अध्यक्ष शैलेंद्र जैन ने नवाबाद थाने में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि 30 अप्रैल को जैन पट्टाचार्य श्रीविशुद्ध सागर महाराज की अगवानी के लिए सुबह मानपुर चुंगी से करगुवां के बीच विशाल यात्रा निकाली गई थी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। इसका फायदा उठाकर चोर उसमें घुस आए। उन्होंने प्रियंका जैन की सोने की चेन, रतन सेल्स के अशोक जैन की पत्नी आशा जैन की सोने की चेन, नितिन जैन वैद्यराज की सोने की चेन, शशि जैन की सोने की चेन, विजलेश जैन की सोने की चेन समेत 39 हजार रुपये एवं मोबाइल चोरी कर ले गए। शोभायात्रा के अंतिम बिंदु पर पहुंचने के बाद चोरी का पता लगा। वहां खलबली मच गई। पदाधिकारियों के साथ पीड़ित नवाबाद थाने पहुंच गए। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मंगलवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज करके जांच कराई जा रही है।

सट्टे में तीन लाख गंवाने के बाद युवक ने जहर खाकर दी जान

झाँसी जयूसं। आईपीएल के सट्टे में तीन लाख रुपये गंवाने के बाद परेशान होकर शिवपुरी के दिनारा निवासी अमन भार्गव ने जहर का सेवन कर लिया। बेहोशी हालात में उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया था। यहां उसकी मौत हो गई थी। आत्महत्या से पहले उसका बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। वह झांसी के सटोरियों का नाम लेते हुए उनको अपनी मौत का जिम्मेदार ठहरा रहा है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

मेरी मौत के तीन लोग जिम्मेदार

सोशल मीडिया पर अमन का 1.02 मिनट लंबा वीडियो वायरल हुआ। अमन खुद को कर्ज में फंसा बताते हुए यह कहते सुनाई पड़ रहा है कि राहुल राजपूत, शिवम यादव और जीतू ने बहला फुसलाकर सट्टे के खेल में उसे फंसा दिया। वह करीब तीन लाख रुपये हार चुका है। अब उस पर कर्जा हो गया है। इसे वह चुका नहीं पा रहा है। इस वजह से जान दे रहा हूँ। उसकी मौत के लिए यह तीनों जिम्मेदार हैं। वीडियो में उसने यह भी कहा है कि सारे सबूत उसके मोबाइल फोन में सुरक्षित है। सट्टेबाजी के आरोप में पुलिस ने जीतू व शिवम यादव को तलाश रही है। यह दोनों भी काफी समय से पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

कैथेड्रल कॉलेज ग्राउंड में गूँजा जीत का शोर, सेंट एंथनीज़ इलेवन ने उठाई विजेता ट्रॉफी

झांसी जयूसं। चैंपियंस ट्रॉफी 2026 इंटर चर्च क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन कैथेड्रल कॉलेज ग्राउंड, में खेल भावना के साथ हुआ। फाइनल मुकाबला सेंट जूड हीरोज एवं सेंट एंथनीज़ इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें सेंट एंथनीज़ इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

सेंट जूड हीरोज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 196 रन बनाए। टीम की ओर से एम्ब्रोस पीटर ने शानदार 54 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट एंथनीज़ इलेवन की ओर से सैमसन रॉबिन्सन ने तूफानी 75 रन तथा रोहन डेविड ने 49 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। टूर्नामेंट में अर्श नाथ ने 439 रन बनाकर बेस्ट बैट्समैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, जबकि सिरिल पीटर ने 18 विकेट लेकर बेस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। सैमसन रॉबिन्सन को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

मैच में अंपायर की भूमिका लुकस एवं मुईनुद्दीन ने निभाई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के बृजेन्द्र यादव सेक्रेटरी, डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन, दीपक यादव स्टेट यूथ सेक्रेटरी, सपा, फा. रोनाल्ड टेलिस विकर जनरल, डायोसीस ऑफ झांसी एवं फा. ए. सूसायराथिनम प्रधानाचार्य, कैथेड्रल कॉलेज उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य ऐश्वर्य ,राहुल, लियो, प्रिंस, इवेन, ग्रेगरी जूड एवं जैकब का विशेष योगदान रहा।

विशेष टिकट चेकिंग अभियान में पकड़े गए 208 अनियमित यात्री

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में आज महोबा रेलवे स्टेशन पर विशेष एंबुश चेक अभियान चलाया गया। एंबुश चेक रेलवे में अचानक एवं गोपनीय तरीके से किया जाने वाला जांच अभियान है, जिसका उद्देश्य बिना टिकट यात्रियों तथा ट्रेनों एवं स्टेशनों पर होने वाली विभिन्न अनियमितताओं को पकड़ना होता है। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं रेलवे राजस्व की रक्षा के उद्देश्य से भी इस प्रकार की चेकिंग निरंतर कराई जाती है। इस चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट यात्रा, अवैध वेंडर, अनबुक्ड लगेज तथा अनारक्षित टिकट लेकर आरक्षित कोचों में यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान कुल 208 यात्री विभिन्न अनियमितताओं में पकड़े गए, जिनसे कुल 1,25,065/- का जुर्माना वसूल किया गया। इस सघन कार्रवाई से न केवल रेलवे राजस्व में वृद्धि हुई, बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त संदेश भी गया। इस अभियान को सफल बनाने में टिकट चेकिंग स्टाफ अब्दुल अजीज, गौरव सिंह, नन्द किशोर, विनय श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार दुबे तथा कुलदीप श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे सदैव वैध टिकट के साथ यात्रा करें, अनबुक्ड लगेज न ले जाएं तथा आरक्षित श्रेणी में केवल वैध आरक्षण के साथ ही यात्रा करें, जिससे यात्रा सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनी रहे।

ओडीओसी में झांसी की बालूशाही के साथ ही दाल बाफला को भी मिलेगा प्रोत्साहन

- **झांसी के बालूशाही ,दाल बाफला के कारीगरों को योगी सरकार दिलाएगी प्रशिक्षण**
- **बालूशाही व दाल बाफला को झांसी के एक जिला एक व्यंजन में किया गया है शामिल**

झांसी जयूसं। प्रदेश के विभिन्न जनपदों के परंपरागत व्यंजनों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने एवं उनकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, कौशल प्रशिक्षण आदि को बेहतर करने के मकसद से एक जिला एक व्यंजन योजना आकार लेने की ओर बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने झांसी के लिए एक जिला एक व्यंजन योजना के अंतर्गत बालूशाही और दाल बाफला को चयनित किया है। इन व्यंजनों की पहचान को सुरक्षित एवं संरक्षित करने, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, व्यंजनों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने और इन्हें स्केलेबल बनाने के मकसद से स्टैंडर्ड रेसिपी मैन्युअल विकसित किए जाएंगे। व्यंजनों की गुणवत्ता में सुधार के लिए एफएसएसएआई, सीएफटीआरआई, एनआईएफटीईएम आदि की मदद ली जाएगी और इन व्यंजनों के वैरिएंट्स विकसित किए जाएंगे। उत्पादों की प्रतिष्ठित संस्थाओं से टेस्टिंग की व्यवस्था कराई जाएगी। मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थाओं में व्यंजनों के अनुसार पाठ्यक्रम विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही आर्थिक मदद के लिए भी योजना तैयार की जाएगी। पैकेजिंग के काम में भारतीय पैकेजिंग संस्थान एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की मदद ली जाएगी। व्यंजन के प्रचार प्रसार के लिए पर्यटन विभाग के सहयोग से फूड फेस्टिवल्स, पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों और टूरिस्ट सर्किटों में ओडीओसी व्यंजन को बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। ओडीओपी के आयोजनों में भी ओडीओसी व्यंजनों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

झांसी के उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने बताया कि ओडीओसी के अंतर्गत चिह्नित व्यंजनों के कारीगरों को एक जनपद एक उत्पाद, सीएम युवा, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा समेत अन्य योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा। ओडीओसी के चयनित उत्पाद से जुड़े उद्यमियों को वित्तीय संस्थाओं की मदद से वित्त पोषित किया जाएगा।

शीघ्र वेतन नहीं मिला तो शिक्षण कार्य का करेंगे बहिष्कार

झांसी जयूसं। राजकीय शिक्षक संघ ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इमलिया बबीना में संबद्ध शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतन न करने पर कड़ी निंदा की है। शिक्षक संघ ने कहा कि अगर शीघ्र ही शिक्षक व शिक्षिकाओं का वेतन नहीं मिला तो शिक्षण कार्य का करेंगे बहिष्कार करने पर मजबूर होना पड़ेगा। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इमलिया बबीना में सम्बद्ध शिक्षक शिक्षिकाओं तैनात है। इस विद्यालय में 150 विद्यार्थी है। साथ ही एक प्रिंसिपल व तीन शिक्षक भी तैनात है। बताते हैं कि राजकीय इंटर कॉलेज झांसी के प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह ने संबद्ध शिक्षक व शिक्षिकाओं का वेतन रोक दिया है। इसको लेकर राजकीय शिक्षक संघ ने कड़ी निंदा की है। बताया गया कि राजकीय इण्टर कॉलेज झांसी के कुछ शिक्षक शिक्षिकाएँनवीन राजकीय हाई स्कूल इमलिया बबीना में सम्बद्ध है, जिनकी अथक मेहनत के फलस्वरूप काफी अच्छी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उक्त स्कूल में प्रवेश लिया है। कुछ दिन पहले अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते दुर्भावना पूर्ण तरीके से प्रधानाचार्य द्वारा अपने एक साथी के साथ उक्त विद्यालय का निरीक्षण किया तथा उक्त शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति न होने पर वेतन काटने के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उक्त वेतन को अवरुद्ध न किये जाने का आदेश दिया गया, परन्तु प्रधानाचार्य द्वारा उनके आदेश को भी ठेंगा दिखाते हुए वेतन अवरुद्ध किया गया। राजकीय शिक्षक संघ ऐसे कृत्य की निन्दा करता है। साथ ही यदि वेतन भुगतान शीघ्र नहीं किया गया तो शिक्षण कार्य का बहिष्कार करने को बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। बताते हैं कि उक्त स्कूल में बिजली की व्यवस्था भी नहीं है तो बायमेट्रिक उपस्थिति कैसे दर्ज हो सकती है। इसको लेकर अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त है।

बूथ व वार्ड अध्यक्षों को नियुक्त करने के निर्देश

झांसी जयूसं। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री भारत सरकार अनुप्रिया पटेल एवं जाटव आर.पी .गौतम प्रदेश अध्यक्ष अपना दल एस के निर्देशानुसार जानकीपुरम कॉलोनी जिला महानगर कार्यालय अपना दल एस में मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में पार्टी के विधानसभा अध्यक्षों को जोन एवं सेक्टर अध्यक्ष नियुक्त करने की कार्यवाही प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। बूथ एवं वार्ड अध्यक्षों को नियुक्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर सभा आयोजित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों ने एक राय से अनुप्रिया पटेल को आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। इसके लिए अनुप्रिया पटेल के कार्यों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में अल्पसंख्यक मंच के प्रदेश अध्यक्ष अहमद खान मंसूरी मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि दीप माला कुशवाहा राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मंच एवं शिव कुमार सोलंकी राष्ट्रीय सचिव व्यापार मंच और धर्मपाल निरंजन राष्ट्रीय सचिव व्यापार मंच, आनंद पटेल क्षेत्रीय अध्यक्ष, प्रोफेसर रामचंद्र पटेल प्रदेश अध्यक्ष शिक्षक मंच उपस्थित रहे। बैठक का आयोजन विजय कछवारे महानगर अध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विधानसभा झांसी सदर अध्यक्ष मनोज गोतिया, व्यापार मंच महानगर अध्यक्ष ज्ञानमणि सिरोठिया, जिला अध्यक्ष महिला मंच शोभा कुशवाहा, महानगर उपाध्यक्ष व्यापार मंच शिवम शुक्ला, महानगर उपाध्यक्ष अरविंद पटेल, महानगर उपाध्यक्ष सचिन भारती, महानगर उपाध्यक्ष व्यापार मंच निशा साहू , महानगर सचिव व्यापार मंच विशाल,महानगर महासचिव विशाल वर्मा,महानगर उपाध्यक्ष अरुण फौजी,महानगर उपाध्यक्ष सोनू वर्मा,इंद्रेश पटेल, राजकुमार बरार, अभिषेक सिमरधा, राजेश, रेखा देवी आदि उपस्थित रहे।

हर वक्त फैसले लेना थका देता है : मीरा राजपूत

मुंबई, (एजेंसियां)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता।

वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है। मीरा ने कहा कि महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में।

बीमारियों से पहले शरीर देता है संकेत

- मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना, तेज सिरदर्द व अत्यधिक प्यास लगना जैसे लक्षण शामिल
- बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। गर्मी का मौसम अपनी चरम सीमा पर पहुंच रहा है। इस समय गर्मी से जुड़ी बीमारियां धीरे-धीरे बढ़ने लगती हैं और कई बार लोगों को इसका पता भी नहीं चलता। लेकिन शरीर बीमारी गंभीर होने से काफी पहले ही कई संकेत देना शुरू कर देता है। इन संकेतों को समय रहते पहचानकर गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी गर्मी के तनाव से पहले शरीर द्वारा दिए जाने वाले चेतावनी संकेतों के बारे में जागरूकता फैलाते हुए जानकारी दी है।

अगर शरीर के महत्वपूर्ण संकेतों पर ध्यान दें, तो गर्मी का असर बढ़ने पर शरीर अस्वस्थ होने के कई संकेत देता है। इनमें ज्यादा पसीना आना, जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होना, मांसपेशियों में ऐंठन या दर्द, ठंडी और चिपचिपी त्वचा, चक्कर आना, तेज सिरदर्द और अत्यधिक प्यास लगना जैसे लक्षण शामिल हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, ये संकेत सामान्य नहीं होते। इन्हें नजरअंदाज करने से हीट एग्जॉर्शन या हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है। इन शुरुआती लक्षणों को पहचानकर तुरंत कदम उठाने से बड़ी मुसीबत से बचा जा सकता है।

गर्मी से होने वाली समस्याओं पर नियंत्रण के उपाय

गर्मी से होने वाली समस्याओं पर नियंत्रण या गर्मी को मात देने के लिए कुछ आसान उपाय एक्सपर्ट सुझाते हैं। इसके लिए दिन के सबसे गर्म समय यानी दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बाहर निकलने से बचें। हल्के और ढीले सूती कपड़े पहनें जो पसीना सोख सके। भरपूर मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, लस्सी या नारियल पानी पिएं। प्यास न लगे तब भी थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।

नमक और खनिजों की कमी पूरी करने के लिए घर का बना पौष्टिक भोजन खाएं। ठंडी और छायादार जगह पर आराम करें तथा भारी व्यायाम से बचें। अगर ऊपर बताए गए कोई भी संकेत दिखाई दें, तो तुरंत ठंडी जगह पर जाएं, आराम करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गर्मी का तनाव शरीर पर कई तरह से असर डालता है। इसलिए जागरूक रहना और अपनी सेहत की जिम्मेदारी खुद लेना जरूरी है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। वास्तव में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

गर्मी के मौसम में छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर खुद को और अपने परिवार को स्वस्थ रख सकते हैं। शरीर के दिए संकेतों को समझें, समय रहते कदम उठाएं और गर्मी से होने वाली समस्याओं को आसानी से मात दें।

शेन निगम की फिल्म 'ड्रिडम' को सेंसर बोर्ड की हरी झंडी

चेन्नई, 6 मई (एजेंसियां)। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में क्राइम और थ्रिलर फिल्मों का चलन तेजी से बढ़ा है। दर्शक रहस्य और सस्पेंस से भरी कहानियों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब एक और बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म 'ड्रिडम' रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच काफी चर्चा थी और अब सेंसर बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद इसका इंतजार और भी बढ़ गया है।

दरअसल, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इस फिल्म को 'यू/ए 16 प्लस' सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया है। इसका मतलब यह है कि 16 साल से ऊपर के दर्शक इस फिल्म को देख सकते हैं। फिल्म का निर्देशन मार्टिन जोसेफ ने किया है और इसमें अभिनेता शेन निगम मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब यह फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ई4 एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए जानकारी साझा की। उन्होंने एक पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म अब पूरी तरह तैयार है और जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। इस घोषणा के बाद फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म में शेन निगम एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर विजय राधाकृष्णन के किरदार में नजर आएंगे। यह किरदार एक ऐसे इंस्पेक्टर का है, जो अपने करियर की शुरुआत कर रहा है और पहली बार एक थाने की जिम्मेदारी संभालता है। शुरुआत में उसे एक ऐसे इलाके में पोस्टिंग मिलती है, जिसे शांत और अपराधमुक्त माना जाता है।

मां का आहार ही बच्चे की ताकत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। स्तनपान कराने वाली महिलाओं का खान-पान सिर्फ उसकी सेहत तक सीमित नहीं रहता बल्कि सीधे बच्चे के विकास और उसकी इम्यूनिटी पर भी असर डालता है। इसलिए इस समय डाइट का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। सही और संतुलित भोजन न सिर्फ मां को ताकत देता है बल्कि बच्चे को भी जरूरी पोषण देता है जिससे उसका शारीरिक और मानसिक विकास अच्छे से हो पाता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए सबसे जरूरी है कि वे अपने भोजन में सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल करें। आमतौर पर भोजन को चार मुख्य समूहों में बांटा जा सकता है। पहला समूह है अनाज जिसमें गेहूं, चावल, बाजरा और रागी जैसे विकल्प शामिल होते हैं। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और दिनभर एक्टिव रहने में मदद करते हैं। दूसरा समूह है दालें और प्रोटीन युक्त चीजें जैसे मूंग, मसूर, चना आदि। ये शरीर की मरम्मत और बच्चे के विकास में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। तीसरा समूह है फल और सब्जियां। ये विटामिन, मिनरल और फाइबर का अच्छा स्रोत होती हैं। हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, बथुआ और मौसमी फल जैसे केला, सेब, पपीता आदि मां के शरीर को मजबूत बनाते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। चौथा समूह है दूध और दूध से बने पदार्थ, जैसे दही, पनीर और छाछ। ये कैल्शियम का अच्छा स्रोत होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

अनाज जिसमें गेहूं, चावल, बाजरा और रागी जैसे विकल्प शामिल

इसके अलावा, थोड़ी मात्रा में अच्छे फैट्स भी जरूरी होते हैं, जैसे घी, मेवे (बादाम, अखरोट), गुड़, तिल आदि। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं। हालांकि ध्यान रहे कि इनका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए। ज्यादा खाने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है।

स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आमतौर पर सामान्य से थोड़ा ज्यादा भोजन करने की सलाह दी जाती है, लगभग एक चौथाई ज्यादा। इसका कारण यह है कि इस समय शरीर ज्यादा ऊर्जा खर्च करता है क्योंकि दूध बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। अगर सही मात्रा में खाना नहीं लिया जाएगा तो थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है। सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि पानी का सेवन भी बहुत जरूरी है। दिनभर में पर्याप्त पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और दूध बनने की प्रक्रिया भी बेहतर होती है। इसके अलावा हल्की-फुल्की वॉक और आराम भी जरूरी है, ताकि शरीर को रिकवरी का समय मिल सके।

अस्सी वर्षीय मरीज की हाई-रिस्क टीएवीआर प्रक्रिया से बचाई जान

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा में डॉक्टरों की टीम ने, गंभीर और जीवनघाती हार्ट वाल्व कंडीशन से जूझ रहे, 80 वर्षीय मरीज का सफल उपचार किया है। मरीज के एओर्टिक वाल्व और प्रमुख रक्तधमनियों में कैल्शियम का काफी जमाव था, जिसके परिणामस्वरूप उनकी धमनियां काफी सख्त हो गई थीं और हृदय को होने वाला रक्तप्रवाह काफी प्रभावित था। इसकी वजह से उनकी स्थिति काफी बिगड़ रही थी और वे कभी भी हृदयाघात का शिकार बन सकते थे।

- मरीज दुर्लभ एओर्टिक कैल्सिफिकेशन से थे ग्रस्त
- एडवांस वाल्व टेक्नोलॉजी की सहायता से दिया गया अंजाम

लेकिन इन तमाम जटिलताओं के बावजूद, मेडिकल टीम ने उनकी मिनीमॅली इन्वेसिव ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) प्रक्रिया की जिसमें रोगग्रस्त एओर्टिक वाल्व को बिना ओपन हार्ट सर्जरी किए बदला गया। यह मामला ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में शुरुआत में संपन्न अत्यंत जटिल टीएवीआर प्रक्रियाओं में से है, और इसे अत्याधुनिक वाल्व टेक्नोलॉजी की मदद से अंजाम दिया गया, जिसने इसे उक्त हाई-रिस्क बुजुर्ग मरीज के मामले में अत्याधुनिक कार्डियाक केयर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित किया है। इस बुजुर्ग मरीज मधुमेह, हाइपरटेंशन, थायरॉयड विकार, और सीओपीडी जैसी कई क्रोनिक कंडीशन से भी जूझ रहे थे और हाल के हफ्तों में उनके सीने में दर्द अधिक रहने लगा था तथा उन्हें सांस लेने में तकलीफ भी बढ़ गई थी।

उनकी सेहत इस हद तक बिगड़ चुकी थी कि उनके लिए मामूली चलना-फिरना भी कठिन होता जा रहा था, जिसकी वजह से उनकी रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित होने लगी थीं। मरीज की इमेजिंग जांच से उनकी रक्तधमनियों तथा महाधमनी (एओर्टा) में काफी गंभीर मात्रा में कैल्सिफिकेशन का भी पता चला था, जिसने इस प्रक्रिया की जटिलता बढ़ा दी थी और उपचार करने वाली टीम के लिए खासतौर से यह मामला काफी चुनौतीपूर्ण था। इस प्रक्रिया को डॉ. शांतनु सिंघल, कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा तथा डॉ. धीरज शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, सीवीटीएस सर्जरी, फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में पूरा किया गया। सावधानीपूर्वक की गई प्लानिंग और सटीक तरीके से की गई प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, वाल्व को करीब एक घंटे में सफल तरीके से बदला गया, जिससे मरीज के रक्तप्रवाह में काफी सुधार हुआ। मरीज ने तेजी से रिकवरी की और प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी हालत स्थिर रही जिसे देखते हुए दो दिनों के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

डर हर किसी को लगता है, फर्क सिर्फ उसे संभालने में है : गौरव खन्ना

मुंबई, (एजेंसियां)। टीवी और फिल्मों के जाने-माने अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। गौरव खन्ना ने कहा कि मेरे लिए यह किसी तरह की सर्वाइवल की मजबूरी नहीं है, बल्कि यह ग्रोथ का हिस्सा है। एक कलाकार जब लंबे समय तक एक ही तरह के काम करता है, तो उसे कुछ नया करने की जरूरत महसूस होती है। ऐसे में रियलिटी शो मुझे अलग तरह के दर्शकों तक पहुंचने और नई चीजें सीखने का मौका देते हैं। मैं हर अनुभव को एक सीख की तरह लेता हूं, चाहे वह कैमरे के सामने हो या कैमरे के पीछे।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्पर्श ग्लोबल स्कूल व बीएलएस बने चैम्पियन

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। बीएलएस इंटर-स्कूल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन अंडर-10 एवं अंडर-12 वर्ग के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। सभी स्केटर्स ने जोश, दृढ़ निश्चय और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया, जिससे प्रतियोगिता रोमांचक और कड़ी प्रतिस्पर्धा से भरपूर रही। प्रतियोगिता में स्पर्श ग्लोबल स्कूल ने बीएलएस इंटर-स्कूल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। द्वितीय स्थान- दिल्ली वर्ल्ड स्कूल, तृतीय स्थान पर जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल रहा। विजेताओं को ट्रॉफी प्रधानाचार्या सुषमा पुनिया एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर रीतू चौधरी द्वारा प्रदान की गई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। प्रतियोगिता-एडजेस्टेबल, आयु वर्ग-10 वर्ष से कम आयु के लड़के में प्रथम स्थान- अनिकेत सिंह - मयूर स्कूल, द्वितीय स्थान-शौर्य सिंह परमार - बीएलएस वर्ल्ड स्कूल। प्रतियोगिता-क्वाड, आयु वर्ग- 10 वर्ष से कम आयु के लड़के में प्रथम स्थान- विहान सिंह- डीडब्ल्यूपीएस, द्वितीय स्थान- समृद्धि त्यागी- बीएलएस वर्ल्ड स्कूल, तृतीय स्थान-अव्यक्त सरीन- डीडब्ल्यूपीएस।

प्रतियोगिता- टॉय लाइनर, आयु वर्ग- 10 वर्ष से कम आयु के लड़के में प्रथम स्थान- तन्मय सिन्हा- स्पर्श ग्लोबल स्कूल, द्वितीय स्थान- शांतनव राज- स्पर्श, तृतीय स्थान- शिवाय केशरी- बीएलएस वर्ल्ड स्कूल। प्रतियोगिता- इनलाइन, आयु वर्ग- अंडर 10 लड़के, प्रथम स्थान- अर्नव मौर्य- डीडब्ल्यूपीएस, द्वितीय स्थान- शशवत पटनायक- जी डी गोयनका इंटरनेशनल, तृतीय स्थान- रुद्रम पंवार- एपीजे। इवेंट- क्वाड्स, आयु वर्ग- अंडर 12 लड़के में प्रथम स्थान- आयुष कुमार- जी डी गोयनका इंटरनेशनल, द्वितीय स्थान- लक्ष्य सिंह- कैम्ब्रिज, तृतीय स्थान- वेद भाटी- स्पर्श ग्लोबल।

इवेंट- प्रोफेशनल इनलाइन आयु वर्ग- अंडर 12 लड़कियां, प्रथम स्थान- आरतीका नेगी- जी.डी. गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, द्वितीय स्थान- गुरिशा भगत- जी डी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, तृतीय स्थान- सानवी शर्मा- बीएलएस वर्ल्ड स्कूल।

गर्मियों के लिए बेहद अच्छी है राई की कांजी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक देने और पाचन को ठीक रखने के लिए देसी पेय बहुत काम आते हैं। इन्हीं में से एक है राई की कांजी, जो न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह एक पारंपरिक फर्मेंटेड ड्रिंक है, जिसे खासतौर पर गर्मियों के समय में ही बनाया जाता है।

कांजी को प्रोबायोटिक ड्रिंक भी कहा जाता है क्योंकि इसमें वो बैक्टीरिया बनते हैं, जो हमारे पेट (गट हेल्थ) के लिए बहुत जरूरी होते हैं। यह पाचन को मजबूत करती है, कब्ज की समस्या को दूर करती है और शरीर को हल्का और ताजगी भरा महसूस कराती है। इसलिए गर्मियों में इसे जरूर पीने की सलाह दी जाती है।

राई की कांजी बनाने के लिए सबसे पहले 1 लीटर पानी लें। इसे हल्का उबालकर ठंडा कर लें ताकि उसमें कोई गंदगी न रहे। अब एक मिक्सी में 1 चम्मच राई, 1 चम्मच नमक और 1 चम्मच हल्दी पाउडर डालकर हल्का पीस लें। इसे एक बर्तन में निकाल लें और उसमें 1 छोटा चम्मच दही मिला दें। दही डालने से फर्मेंटेशन जल्दी और अच्छे तरीके से होता है।

अब जिस डब्बे या जार में कांजी बनानी है, उसे अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अंदर मसाला चारों तरफ फैला दें। इसके बाद एक कटोरी में जलता हुआ कोयला रखें, उस पर थोड़ा सा घी और एक चुटकी हींग डालें। अब इस कटोरी को जार के अंदर कुछ मिनट तक कैद रहने दें, फिर जार को हटा लें। इससे कांजी में एक अलग स्वाद और खुशबू आ जाती है।

- गर्मियों में लू से बचाव में भी मदद

अब इसमें ठंडा किया हुआ पानी डालें और तैयार किए गए मसाले को अच्छे से मिला दें। इसके बाद जार का ढक्कन बंद करके इसे 3 से 4 दिन के लिए किसी गर्म जगह पर रख दें ताकि यह अच्छे से फर्मेंट हो सके।

हर दिन एक बार इसे हिला देना बहुत जरूरी है, ताकि फर्मेंटेशन बराबर हो। 3-4 दिन बाद आपकी कांजी तैयार हो जाती है। इसका रंग हल्का सा बदल जाता है और स्वाद में हल्की खटास आ जाती है, जो इसे और भी मजेदार बना देती है।

राई की कांजी न सिर्फ शरीर को ठंडक देती है, बल्कि गर्मियों में लू से बचाव में भी मदद करती है। यह इम्युनिटी को मजबूत करती है और पेट की कई समस्याओं को दूर रखती है। इसे आप दिन में कभी भी पी सकते हैं।

कब्ज, पेट की चर्बी की समस्याओं में फायदेमंद है भुजंगासन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विश्व योग दिवस अब कुछ ही दिनों में आने वाला है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक कर रहा है और रोजमर्रा की जिंदगी में आसान योगासनों को शामिल करने की सलाह दे रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय ने भुजंगासन

- रीढ़ की हड्डी को बनाता है लचीला
- शरीर में ऊर्जा का बढ़ाता है संचार

यानी कोबरा पोज के अभ्यास की सिफारिश की। यह आसान बैकबेंड आसन उन लोगों के लिए खासतौर पर फायदेमंद है जो स्ट्रेस, कब्ज, पेट की चर्बी, पीठ दर्द या सांस की समस्याओं से परेशान रहते हैं। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा शरीर हमारी सोच से कहीं ज्यादा बोझ उठाता है। तनाव, थकान और शारीरिक असंतुलन धीरे-धीरे बढ़ते हैं और गंभीर समस्या बन जाते हैं। भुजंगासन जैसे हल्के बैकबेंड आसन इन समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित होते हैं।

भुजंगासन के अभ्यास से तन-मन दोनों को फायदे मिलते हैं। भुजंगासन छाती को खोलता है, रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और पीठ की जकड़न को दूर करता है। यह आसन पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, जिससे कब्ज की शिकायत कम होती है। साथ ही पेट की चर्बी घटाने में भी सहायक है। नियमित अभ्यास से स्ट्रेस और मानसिक थकान कम होती है क्योंकि यह सांस लेने की प्रक्रिया को सुधारता है और ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाता है। ब्रोंकाइटिस जैसी सांस संबंधी समस्याओं में भी आराम पहुंचाता है।

भुजंगासन उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिन्हें लंबे समय तक बैठकर काम करना पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर यह मुद्रा संबंधी दर्द को कम करता है और शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाता है। एक्सपर्ट के अनुसार, भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। हथेलियों को कंधों के नीचे रखें। सांस अंदर लेते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं। कमर को ज्यादा न मोड़ें। 15-30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर धीरे से वापस लेट जाएं।

बेचैनी से राहत का आसान तरीका भ्रामरी प्राणायाम

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्ट्रेस, बेचैनी और दिमागी परेशानी आम समस्या बन गई है। अगर आपका मन बार-बार शोरगुल और भारी-भरकम महसूस हो रहा है, तो भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने एक आसान और प्रभावी प्राणायाम का सुझाव दिया है- भ्रामरी प्राणायाम। मंत्रालय के अनुसार, भ्रामरी प्राणायाम मन को शांत करने, चिंता कम करने और आंतरिक संतुलन में बहुत मददगार साबित होता है। जब मन में अत्यधिक विचारों का शोर चल रहा हो और आप बेचैनी महसूस कर रहे हों, तो भ्रामरी प्राणायाम का नियमित अभ्यास आपके भीतर गहरी शांति स्थापित करने में सहायक हो सकता है। योग एक्सपर्ट बताते हैं कि भ्रामरी एक विशेष प्रकार का प्राणायाम है, जिसमें सांस छोड़ते समय भौंरों की तरह हम्मम की ध्वनि निकाली जाती है। इस प्रक्रिया से मस्तिष्क में कंपन पैदा होता है जो तनावग्रस्त नसों को शांत करता है। इससे चिंता, गुस्सा, बेचैनी और नींद की समस्या में भी काफी राहत मिलती है। यह प्राणायाम मन को एकाग्र करने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में प्रभावी माना जाता है।

संपादक की कलम से

7,900 मौतें, 80 हजार लापता

संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की एक रपट ने विश्व समुदाय का ध्यान एक ऐसे संकट की ओर आकर्षित किया है, जो अक्सर राजनीतिक बहसों और सीमा सुरक्षा की चर्चाओं के पीछे छिप जाता है। रपट के अनुसार, वर्ष 2025 में विश्व के विभिन्न प्रवासन मार्गों पर लगभग 7,900 लोगों की मृत्यु हुई या वे लापता हो गए। इसके साथ ही वर्ष 2014 से अब तक प्रवास के दौरान मारे गए या गायब हुए लोगों की कुल संख्या 80 हजार से अधिक हो चुकी है। यह संख्या केवल उन मामलों की है, जो दर्ज हो सके। वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक गंभीर है। इन आंकड़ों का अर्थ यह है कि दुनिया भर में हजारों लोग बेहतर जीवन, सुरक्षा या रोजगार की तलाश में ऐसी यात्राएं कर रहे हैं, जिनका अंत अक्सर शोषण या गुमनामी में होता है।

प्रवासन आज केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि वैश्विक असमानता, युद्ध, जलवायु संकट, बेरोजगारी और नीतिगत विफलताओं का संयुक्त परिणाम बन चुका है। इसके पीछे एक व्यक्ति, एक परिवार, एक अधूरा सपना और एक टूटती सामाजिक संरचना छिपी होती है। इसलिए प्रवासन के सवाल को केवल कानूनी या अवैध प्रवेश के दायरे में सीमित करना सही नहीं है। इसे मानवीय गरिमा, श्रम अवसरों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। यही कारण है कि यह रपट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

प्रवासन मानव सभ्यता के इतिहास जितना पुराना है। लोग सदियों से जल, भूमि, व्यापार, सुरक्षा और अवसरों की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे हैं। आधुनिक युग में प्रवासन के स्वरूप अधिक जटिल हो गए हैं। आज इसे व्यापक रूप से दो भागों में बांटा जा सकता है- आंतरिक प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन। आंतरिक प्रवासन में लोग अपने ही देश के भीतर गांव से शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य या पिछड़े क्षेत्र से विकसित क्षेत्र की ओर जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन में लोग दूसरे देशों की सीमाएं पार करते हैं। आर्थिक प्रवासी वे लोग होते हैं, जो बेहतर रोजगार और आय के लिए जाते हैं, जबकि शरणार्थी वे हैं, जो युद्ध, हिंसा या उत्पीड़न के कारण अपना देश छोड़ते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आज प्रवासन संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि श्रम की वैश्विक मांग बढ़ी है, लेकिन सुरक्षित गतिशीलता के रास्ते सीमित हुए हैं। अनेक विकसित देशों को श्रमिकों की आवश्यकता है, फिर भी उनकी आव्रजन नीतियां कठोर होती जा रही हैं। वीजा नियमों की जटिलता, सीमित श्रम कोटा, लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया और राजनीतिक दबाव लाखों लोगों को अनियमित मार्गों की ओर धकेलते हैं। यही कारण है कि भूमध्य सागर, सहारा रेगिस्तान, अमेरिका-मेक्सिको सीमा, बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर जैसे मार्ग दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों में बदल चुके हैं। लोग छोटी और असुरक्षित नौकाओं में समुद्र पार करते हैं, रेगिस्तानों में बिना भोजन-पानी के चलते हैं, जंगलों से गुजरते हैं या मानव तस्करों पर निर्भर होते हैं। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित रहते हैं। यौन हिंसा, जबरन श्रम, फिरौती, अपहरण और मानव तस्करी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती हैं। यह संकट केवल अपराधी गिरोहों का परिणाम नहीं, बल्कि उन नीतिगत व्यवस्थाओं का भी नतीजा है, जो सुरक्षित प्रवासन के अवसर उपलब्ध नहीं करातीं। प्रवासन मामले में जब कानूनी रास्ते बंद होते हैं, तो अवैध संजाल फलते-फूलते हैं।

प्रवासन का मानवीय प्रभाव सबसे गहरा और सबसे कम समझा गया आयाम है। किसी प्रवासी की मृत्यु केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती। वह पूरे परिवार की आर्थिक संरचना को तोड़ देती है। अनेक परिवार अपने सदस्य को विदेश भेजने के लिए ऋण लेते हैं, जमीन गिरवी रखते हैं या जीवन भर की बचत लगा देते हैं। यदि वही व्यक्ति यात्रा में लापता हो जाए या उसकी मौत हो जाए, तो परिवार कर्ज और आर्थिक संकट में डूब जाता है। बच्चों की पढ़ाई छूट सकती है, बुजुर्गों की देखभाल रुक सकती है और परिवार की आय समाप्त हो सकती है। लापता होने की स्थिति और भी पीड़ादायक होती है, क्योंकि परिजन वर्षों तक प्रतीक्षा करते रहते हैं। महिलाओं पर इसका बोझ अधिक पड़ता है, क्योंकि उन्हें परिवार की जिम्मेदारी अकेले उठानी पड़ती है। प्रवासी महिलाओं की स्थिति और भी जटिल होती है। घरेलू काम, देखभाल सेवा या अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं को कम वेतन, लंबा कार्य समय, यौन उत्पीड़न और कानूनी सुरक्षा की कमी का सामना करना पड़ता है। अकेले यात्रा करने वाले नाबालिगों की संख्या बढ़ रही है, जो शोषण और तस्करी के जोखिम में रहते हैं। गंतव्य देशों में भी प्रवासी समुदाय कई बार नस्लीय भेदभाव, सामाजिक अलगाव, भाषा बाधा और असुरक्षित रोजगार का सामना करते हैं। दूसरी ओर अचानक बड़ी संख्या में शरणार्थियों या प्रवासियों के आगमन से स्थानीय समाजों में संसाधनों पर दबाव, सांस्कृतिक तनाव और राजनीतिक प्रतिक्रिया भी उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए प्रवासन का विषय विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह एक साथ श्रम भेजने वाला, कुशल पेशेवर उपलब्ध कराने वाला और आंतरिक प्रवासन से प्रभावित देश है। विदेश में बसे भारतीयों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक मानी जाती है और वे हर वर्ष बड़ी राशि अपने देश भेजते हैं। यह धन ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च को बढ़ावा देता है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को सशक्त करता है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भारतीय पेशेवर विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा और उद्यमिता में योगदान दे रहे हैं। वहीं खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय श्रमिक निर्माण, परिवहन, घरेलू सेवा और श्रम-प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों को कई बार पासपोर्ट जब्ती, वेतन बकाया, दुर्घटनाएं और कठिन कार्य परिस्थितियों जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

भारत सरकार ने ई-माइग्रेट पोर्टल, प्रवासी बीमा योजना, दूतावास सहायता तंत्र और कौशल प्रशिक्षण जैसे कदम उठाए हैं, पर इनकी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत के लिए प्रवासन केवल आर्थिक अवसर नहीं, बल्कि नागरिक संरक्षण और श्रम गरिमा का विषय भी है। वैश्विक राजनीति में प्रवासन आज सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक है। अनेक देशों में चुनावी राजनीति प्रवासियों के प्रश्न पर केंद्रित होती जा रही है। कहीं इसे बेरोजगारी से जोड़ा जाता है, कहीं अपराध से, तो कहीं सांस्कृतिक पहचान के संकट के रूप में पेश किया जाता है। परिणामस्वरूप प्रवासी विरोधी भावनाएं, राष्ट्रवादी राजनीति और कठोर सीमा नीतियां मजबूत हुई हैं, परंतु वास्तविकता अधिक जटिल है। कई विकसित देशों की अर्थव्यवस्था कृषि, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, बुजुर्गों की देखभाल और आतिथ्य क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर है। यदि श्रम प्रवाह रुक जाए, तो इन क्षेत्रों में गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इस सबके बीच जलवायु परिवर्तन भविष्य में प्रवासन को और तीव्र करेगा। समुद्र के जल स्तर में वृद्धि से तटीय आबादी विस्थापित होगी, सूखे से कृषि संकट गहराएगा, बाढ़ और चक्रवातों से आजीविका नष्ट होगी। छोटे द्वीपीय देशों, अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों और दक्षिण एशिया के तटीय इलाकों में यह चुनौती विशेष रूप से गंभीर है। आने वाले दशकों में प्रवासन को केवल सुरक्षा समस्या के रूप में ही देखा जाना सही नहीं होगा। इसके समाधान के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण अपनाना होगा।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

महेन्द्र तिवारी

जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

- महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने सत्ता के गलियारों को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 207 क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी।

जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकतांत्रिक संस्था पर प्रश्न उठाना जनमत का अनादर करने जैसा है।

विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है। परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के मध्य खिंचाव की स्थिति उत्पन्न होने लगी और राज्य का प्रशासन अनिश्चितता के भंवर में फंस गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या और सत्ता के प्रति मोह बताया। उनका कहना था कि जब जनता ने स्पष्ट रूप से परिवर्तन के लिए मत दिया है तो सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होना चाहिए।

इस चुनाव का सबसे संवेदनशील पहलू ममता बनर्जी की अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से हारना रहा। इसी क्षेत्र ने उन्हें पहले भी कई बार बड़ी जीत दिलाकर उनके राजनीतिक कद को ऊँचा किया था। इस बार उनकी व्यक्तिगत हार ने उनके नेतृत्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए। अपनी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के अंतिम चरणों में धांधली की गई और उनके मतों की चोरी हुई। उनके इन आरोपों ने निर्वाचन अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को भी विवादों में खींच लिया। विपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि हार स्वीकार करने की राजनीतिक संस्कृति का ह्रास हो रहा है जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। चुनाव के पश्चात राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा और तनाव की सूचनाएं भी प्राप्त हुईं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के मध्य हिंसक झड़पें, सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाना और विरोध प्रदर्शनों ने जनजीवन को प्रभावित किया। प्रशासन को स्थिति नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की सहायता लेनी पड़ी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस हार के बाद असंतोष की ज्वाला भड़क उठी। पार्टी के कई पुराने नेताओं और सांसदों ने दबी जुबान में नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पूर्व सांसद जवाहर सरकार जैसे अनुभवी व्यक्तियों ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर चापलूसी और भ्रष्टाचार ने अपनी जड़ें गहरी कर ली थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं की निरंतर उपेक्षा की जा रही थी और वास्तविक स्थिति को शीर्ष नेतृत्व से छुपाया गया। विश्लेषकों का मानना है कि इस भारी पराजय के पीछे तीन प्रमुख कारण रहे हैं। प्रथम कारण निरंतर 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के कारण उत्पन्न हुआ असंतोष था। द्वितीय कारण स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप थे जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया। तृतीय कारण पार्टी के भीतर संगठनात्मक कमजोरी थी जो विपक्षी लहर का सामना करने में विफल रही। भाजपा ने इन कमजोरियों का लाभ उठाते हुए एक आक्रामक चुनावी अभियान चलाया और जनता को एक नए विकल्प का विश्वास दिलाया।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा है। वह अपनी जुझारू छवि और आंदोलनों के लिए जानी जाती रही हैं। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों तक उनकी एक विशेष पहचान रही है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद उनकी वही संघर्षशील शैली अब संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध एक ढाल के रूप में उपयोग की जाने लगी है। राज्यपाल, निर्वाचन आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ उनका निरंतर टकराव उनकी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। दूसरी ओर उनके समर्थकों का एक बड़ा वर्ग आज भी उनके साथ खड़ा है। उनका मानना है कि ममता बनर्जी ने सदैव केंद्र के कथित हस्तक्षेप के विरुद्ध बंगाल की स्वायत्तता की रक्षा की है। समर्थकों का तर्क है कि लोकतंत्र में किसी भी विसंगति पर प्रश्न उठाना एक अधिकार है और इसे सत्ता के मोह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वे यह भी कहते हैं कि इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब विभिन्न राजनीतिक दलों ने हार के पश्चात चुनाव प्रक्रिया पर संदेह व्यक्त किया है।

अंततः 2026 के इन निर्वाचन परिणामों ने बंगाल की राजनीति को एक ऐतिहासिक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। जिस परिवर्तन की लहर पर सवार होकर ममता बनर्जी 2011 में सत्तासीन हुई थीं आज वही लहर उनके विरुद्ध बहती दिखाई दी। चुनाव के बाद का यह घटनाक्रम, त्यागपत्र न देने की हठधर्मिता और संवैधानिक प्रक्रियाओं पर अविश्वास ने देश के बुद्धिजीवियों के मध्य एक व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या राजनीति में व्यक्तिगत संघर्ष की गरिमा संवैधानिक मर्यादाओं से ऊपर हो सकती है। लोकतंत्र में हार और जीत की अपनी एक गरिमा होती है और किसी भी बड़े राजनेता की परिपक्वता का परीक्षण उस समय होता है जब वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनमत का सम्मान करता है। पश्चिम बंगाल के इस घटनाक्रम ने न केवल राज्य के भविष्य बल्कि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली और राजनीतिक आचरण पर भी कई मौलिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं जिनका उत्तर भविष्य की राजनीति ही दे पाएगी। 294 निर्वाचन क्षेत्रों वाली इस विधानसभा में अब नई शक्ति का उदय हो चुका है और बंगाल की जनता अब यह देख रही है कि आने वाले समय में उनके अधिकारों और राज्य के विकास की दिशा क्या होगी।

अखिलेश की भेष बदल कर हिन्दू वोटों की फसल काटने की तिकड़म

अजय कुमार

समाजवादी दल का इतिहास गवाह है कि जब भी चुनावी मौसम करवट लेता है, तब यह दल भी अपना रंग बदलने लगता है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता दल की जीत ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है। बंगाल के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि हिंदू मतदाता एकजुट होकर मतदान करे तो किसी भी दुर्ग को ढहाया जा सकता है। इस संदेश को समाजवादी दल के मुखिया अखिलेश यादव ने बखूबी पढ़ लिया और देखते ही देखते उनकी सियासत का रंग बदलने लगा। अखिलेश यादव, जो कभी जाति और वर्ग की राजनीति के पुरोधा माने जाते थे, आजकल सामाजिक माध्यमों पर बजरंग बली की तस्वीर के साथ चौपाइयाँ लिख रहे हैं। समाजवादी दल के प्रदेश कार्यालय में बड़े मंगल पर पूजा-अर्चना की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। यह देखकर आम जनता के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची आस्था है या केवल भेष बदल कर हिन्दू मतों की फसल काटने की तिकड़म?समाजवादी दल की स्थापना से लेकर आज तक उसकी सियासत की बुनावट को देखें तो एक धागा बार-बार नजर आता है जब सत्ता मिली तो एक रंग, और जब विपक्ष में आए तो दूसरा रंग। मुलायम सिंह यादव ने जब दल की नींव रखी, तब उनका मूल आधार यादव और मुसलमान मतदाताओं का गठबंधन था। इसे सियासी बोलचाल में 'माय' यानी मुसलमान-यादव समीकरण कहा गया। यह समीकरण वर्षों तक उत्तर प्रदेश की सत्ता का केंद्र बिंदु रहा। इस गणित के बल पर समाजवादी दल ने कई बार सरकार बनाई, लेकिन इसके साथ ही दल पर तुष्टिकरण का आरोप भी लगता रहा।

वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जब भारतीय जनता दल ने भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की, तब समाजवादी दल को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। 'माय' समीकरण पर्याप्त नहीं था, यह स्पष्ट हो गया। तब इस दल ने तुरंत अपनी राह बदली। वर्ष 2022 के चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने एक नया नारा दिया पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक यानी पीडीए। इस नए समीकरण में पिछड़ी जातियों के व्यापक वर्ग को साधने की कोशिश थी। छोटी-छोटी जातियों को मंच देकर, उन्हें टिकट देकर दल ने यह जताने की कोशिश की कि अब वह केवल यादव और मुसलमान का दल नहीं रहा।2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए के नारे ने कुछ असर दिखाया और समाजवादी दल की सीटें बढ़ीं। अखिलेश यादव ने इसे अपनी रणनीति की सफलता बताया। लेकिन जानकारों का मानना है कि यह सफलता भारतीय जनता दल के विरोध में उपजी लहर का परिणाम थी, न कि किसी ठोस सामाजिक बदलाव का। इसके बावजूद समाजवादी दल के नेताओं का आत्मविश्वास आसमान छूने लगा। पीडीए को जादुई मंत्र की तरह प्रचारित किया जाने लगा। अब बंगाल के नतीजों के बाद फिर एक नया मोड़ आया है। हिंदू मतदाताओं को साधने के लिए धार्मिक प्रतीकों का सहारा लिया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। मुलायम सिंह यादव भी समय-समय पर मंदिरों में जाते थे, परशुराम जयंती मनाते थे और ब्राह्मण सम्मेलनों में शरीक होते थे। लेकिन उनकी असली राजनीति का धुरा कभी नहीं बदला। यही परंपरा अखिलेश यादव आगे बढ़ा रहे हैं।

समाजवादी दल के इस दोहरे चेहरे को समझने के लिए उसके शासनकाल को याद करना जरूरी है। जब दल सत्ता में था, तब दंगों की घटनाएँ हुईं। 2013 में मुजफ्फरनगर की पीड़ा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। उस दौर में पुलिस और प्रशासन पर पक्षपात के आरोप लगे। हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग ने महसूस किया कि उनकी सुरक्षा दाँव पर है। इसी भावना का लाभ उठाकर भारतीय जनता दल ने 2017 में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। आज जब अखिलेश यादव बजरंग बली की चौपाई लिख रहे हैं, तो क्या वही मतदाता इसे भूल पाएगा?सामाजिक ताने-बाने की दृष्टि से देखें तो समाजवादी दल की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि उसके भीतर का नेतृत्व अभी भी एक ही जाति के ईर्द-गिर्द घूमता है। पीडीए का नारा कितना भी ऊँचा हो, जब टिकट बँटवारे की बारी आती है तो यादव और मुसलमान उम्मीदवारों की भरमार नजर आती है। शेष पिछड़ी जातियाँ, दलित और अन्य वर्ग को प्रतीकात्मक भागीदारी मिलती है। यह विरोधाभास मतदाता भली-भाँति जानता है।इसी तरह धार्मिक प्रतीकों का उपयोग भी सतही लगता है। जो दल दशकों से एक विशेष वर्ग के तुष्टिकरण के लिए जाना जाता हो, वह अचानक हनुमान चालीसा गाने लगे तो जनता को यह स्वाभाविक नहीं लगता। मतदाता जानता है कि यह परिवर्तन हृदय से नहीं, मतपेटी से उपजा है। राजनीति में यह दाँव कभी-कभी चल जाता है, लेकिन जागरूक मतदाता के सामने यह ज्यादा देर नहीं टिकता।

उत्तर प्रदेश का मतदाता अब पहले से कहीं अधिक समझदार हो गया है। 2017 और 2022 के चुनावों ने यह सिद्ध कर दिया कि जाति और धर्म के समीकरण तो काम करते हैं, लेकिन शासन की विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जो दल सत्ता में रहते हुए कानून-व्यवस्था नहीं संभाल पाया, जो दल जातिगत भेदभाव के आरोपों से घिरा रहा, वह दल केवल सामाजिक माध्यमों पर तस्वीरें बदलकर जनता का मन नहीं जीत सकता।2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी दल के लिए असली परीक्षा होगी। अखिलेश यादव की नई सामाजिक अभियांत्रिकी कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन इतना तय है कि केवल नारे बदलने से, केवल प्रतीक बदलने से राजनीति नहीं बदलती। जनता को चाहिए ठोस काम, सुरक्षा और न्याय। समाजवादी दल यदि वास्तव में बदलाव चाहता है तो उसे अपने भीतर झाँकना होगा, अपनी कार्य संस्कृति बदलनी होगी, अपने नेताओं की जवाबदेही तय करनी होगी और जाति की दीवारों से बाहर निकलना होगा। जब तक यह नहीं होता, 'माय' से पीडीए और पीडीए से बजरंगबली तक का यह सफर केवल चुनावी स्वाँग बना रहेगा। और उत्तर प्रदेश का मतदाता इस स्वाँग को पहचानना सीख चुका है।

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपने संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठित लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों? उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं। इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गई। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला गया।

गंगोत्री से गंगासागर तक वेग के साथ बढ़ती बीजेपी की 'हिंदूधारा'

संजय सक्सेना

पश्चिम बंगाल में जीत के बाद एक नया ट्रेंड दिखाई दे रहा है। पहले जो बीजेपी कहा करती थी कि हमें मुसलमानों का वोट नहीं मिलता है, अब वही बीजेपी खुलेआम कहती है कि वह हिंदुओं के वोट से चुनाव जीती है। इसके साथ ही यह भी जोड़ देती है कि जो हमारे साथ था, हम उसके साथ हैं। जबकि इससे पहले मोदी कहा करते थे 'सबका साथ, सबका विकास'। सवाल यह है कि क्या अब बीजेपी बदल रही है? बीजेपी लगातार हिंदुत्व के सहारे आगे बढ़ती जा रही है। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बीजेपी का यह चुनावी मंत्र कहीं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के पीडीए की धार तो कुंद नहीं कर देगा, जैसा 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में देखा जा चुका है। कहीं ऐसा न हो कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के सहारे भाजपा को काफी हद तक रोकने में सफल रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव का यह फार्मूला 2027 में धराशायी हो जाए। वैसे भी हर चुनाव में वोटरों की सोच बदलती रहती है। राजनीति में कोई भी फार्मूला हमेशा के लिए हिट नहीं होता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की शानदार जीत ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। वहां की सड़कों पर उत्सव मनाते कार्यकर्ता चिल्ला रहे हैं कि हम हिंदुओं के वोट से जीते। पहले जहां बीजेपी कहती थी कि मुसलमानों का वोट हमें नहीं मिलता, अब वही दल खुलकर स्वीकार कर रहा है कि हिंदू भाइयों के बल पर हमने सत्ता की कुर्सी हासिल की। साथ ही जोर देकर कहते हैं कि जो हमारे साथ था, हम उसके साथ हैं। यह नया सुर सुनकर सवाल उठता है कि क्या बीजेपी अपना रास्ता बदल रही है? प्रधानमंत्री का पुराना नारा तो था 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब लगता है हिंदू एकजुटता का जाप जोर पकड़ रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह बदलाव अखिलेश यादव के पीडीए फॉर्मूले को चुनौती दे सकता है। दोबारा देखें तो 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में यही हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण सपा को पटखनी दे चुका है, तो क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में सफल रहा पीडीए अब जादू अब फीका पड़ जाएगा? बहरहाल, पश्चिम बंगाल में हुई जीत कोई साधारण घटना नहीं है। वहां बीजेपी ने टीएमसी के किले को हिलाकर रख दिया। कार्यकर्ता खुशी से फूले नहीं समा रहे। वे मंचों पर चढ़कर घोषणा कर रहे हैं कि हिंदू भाइयों ने हमें चुना, इसलिए हम उनके हितों की रक्षा करेंगे।

जिला निरीक्षण समिति ने किया बच्चा जेलों का निरीक्षण

संवासियों के हित में सभी व्यवस्थायें दुरुस्त रखने के निर्देश दिये

ललितपुर। किशोर गृह का निरीक्षण करती जिला निरीक्षण समिति।

ललितपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला निरीक्षण समिति के द्वारा राजकीय बालगृह -बालक दैलवारा एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह नेहरूनगर का निरीक्षण किया गया। इन्हें स्थानीय बोलचाल की भाषा में बच्चा जेल कहा जाता है। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ईसी एक्ट श्री नीरज कुमार महाजन, सिविल जज जूनियर डिवीजन एफटीसी नवीन कुमार पांडेय की गरिमामय मौजूदगी रही।
निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण सचिव देवप्रिय सारस्वत द्वारा उच्च न्यायालय जुवेनाइल जस्टिस कमेटी के निर्देशों के अनुपालन में दोनों संस्थाओं में निवासरत बालकों एवं किशोरों से शैक्षिक व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। बालकों एवं किशोरों से उनके स्वास्थ्य, भोजन, दिनचर्या एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बालकों एवं किशोरों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, संतुलित आहार, समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से संचालित की जाएं।

ढाबे पर मोबाईल से खिला रहे थे ऑनलाइन सट्टा

ललितपुर। अपराध नियंत्रण पुलिस ने सागर रोड स्थित एक ढाबे के पास ऑनलाइन सट्टा खिलाते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे स मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसमें ऑनलाइन सट्टेबाजी का प्लेटफॉर्म खुला था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है।
पुलिस के अनुसार 6 मई 2026 को उपनिरीक्षक रज्जन बाबू पुलिस टीम के साथ मसौरा चौकी क्षेत्र में शांति व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सागर रोड स्थित साहूजी ढाबा के पास एक व्यक्ति मोबाइल के जरिए ऑनलाइन सट्टा खिला रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दिनेश साहू पुत्र प्रभुदयाल साहू निवासी आजादपुरा तृतीय, थाना कोतवाली ललितपुर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक सैमसंग गैलेक्सी एफ23 5जी मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल की जांच करने पर उसमें ऑनलाइन सट्टा साइट खुली मिली, जिसमें हजारों रुपये के लेनदेन का रिकॉर्ड पाया गया। पुलिस ने मौके पर ही मोबाइल का फोटो और डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित कर लिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी दिनेश साहू के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम 1867 की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कचहरी परिसर में खुला सार्वजनिक जल सेवा केन्द्र

डीएम ने की पहल की सराहना

ललितपुर। सार्वजनिक नि:शुल्क प्याऊ का शुभारंभ करते अधिकारी।

ललितपुर। भीषण गर्मी के बीच आमजन और अधिवक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से गुरुवार को कचहरी परिसर में सार्वजनिक जल सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन स्थानीय एक संस्थान एवं लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। इसका शुभारंभ जिलाधिकारी सत्यप्रकाश ने फीता काटकर किया। इस सेवा के अवसर पर लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सन्मति सर्राफ, ला.शिवचरन सोनी तथा संस्थान से हाकिम सिंह सहित संस्था के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी खूब उपस्थिति रही। जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष हरीराम राजपूत ने अतिथियों को इस सेवाकार्य की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि भीषण गर्मी में जल सेवा जैसी जनहितकारी पहल सराहनीय है। ऐसे सामाजिक प्रयास लगातार होना चाहिये। इस दौरान कचहरी परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने मुख्य सड़क पर आये दिन लगने वाले जाम की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने इस समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अधिवक्तागण के.के.बंसल, बादाम सिंह, बहादुर अहिरवार, कुंवर जगवीर, रामगोपाल गोस्वामी, पवन कौशिक, रामचरन, मदन, देशराज, भागीरथ, विजय सक्सेना, प्रमोद श्रीवास्तव, राजपाल यादव, रवि रैकवार, जगदीश कुशवाहा, पूजा रैकवार समेत अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राजघाट नहर में डूबने से तीन युवकों की मौत, दो गंभीर झाँसी रेफर

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के ग्राम हर्षपुर में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गमगीन कर दिया। रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने आए पांच युवक गांव के पास स्थित राजघाट नहर में नहाने गए थे। इसी दौरान गहरे पानी और तेज भंवर में फंसने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्यअन्य युवकों को गंभीर हालत में उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इस हादसे की सूचना से मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ जुटे। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। थाना बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम वस्त्रावन से कुछ लोग शादी समारोह के बाद हर्षपुर गांव रिश्तेदारी में आए हुए थे। गुरुवार सुबह पांच युवक घूमते हुए गांव के पास स्थित राजघाट नहर पर पहुंचे और नहाने लगे। इसी दौरान सभी युवक पानी की तेज धारा और भंवर की चपेट में आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने युवकों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक तीन युवक पानी में समा चुके थे। हादसे में मध्य प्रदेश के जिला अशोकनगर क्षेत्रांतर्गत थाना चंदेरी के ग्राम प्राणपुरा निवासी 30 वर्षीय मिथुन पुत्र नारायण व 20 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र कपूर सिंह एवं ग्राम वस्त्रावन निवासी 22 वर्षीय धीरज पुत्र मनीराम की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि जगदीश पुत्र सरमन और राजकुमार पुत्र मनीराम को गंभीर हालत में स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जल्द बनेंगी बसपा की सेक्टर कमेटियाँ

बैठक में संगठन मजबूती पर दिया जोर

ललितपुर। बैठक में चर्चा करते बसपाई।

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सेक्टर-48 की कमेटियों के गठन, पुनर्गठन और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।
बैठक में मंडल प्रभारी रामबाबू चिरगैयां एवं केहर सिंह गौतम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंडल प्रभारियों ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय करने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पूरी मजबूती के साथ बूथ स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि विधानसभा प्रभारी अभिषेक गौतम और विधानसभा अध्यक्ष संतोष अहिरवार इस दौरान उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सेक्टर कमेटियां संगठन की रीढ़ होती हैं और मजबूत संगठन ही पार्टी को सफलता दिला सकता है। बैठक की अध्यक्षता सेक्टर अध्यक्ष बृजभान अहिरवार (परोंदा) ने की। सर्व सम्मति से बूथ संख्या 543 पर उत्तमसिंह तथा बूथ संख्या 544 पर जयराम को बूथ अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
इस दौरान संतोष कुमार (विधानसभा महासचिव), धर्मेन्द्र कुमार अहिरवार (पूर्व मंडल प्रभारी), प्रकाश पाल (सेक्टर महासचिव), किशन लाल, लालाराम, पप्पू अहिरवार, हन्नू अहिरवार, लक्ष्मण प्रसाद, जमना प्रसाद, अरविंद कुमार, कैलाश, देशराज, संजू, आशाराम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। सेक्टर महासचिव प्रकाश पाल ने आभार जताया।

ललितपुर पुलिस पकड़े दो गाँजा तस्कर

4 किलो से अधिक गाँजा बरामद

ललितपुर। अवैध गाँजे के पकड़ा गया नशेबाज।

ललितपुर। जनपद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो आरोपियों को गिरफ्तार कियाहै। पुलिस ने इनके कब्जे से 4 किलो 104 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गिरोह का एक अन्य सदस्य मौके से भागा बताया गया है।
कोतवाली सदर क्षेत्र की नई बस्ती चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खोंकरा में कुछ लोग अवैध गांजे की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दो संदिग्धों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान गिरफ्तार आरोपी केहर सिंह बुन्देला के पाससे 2 किलो 41 ग्राम गांजा तथा एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जबकि दूसरे आरोपी छत्रपाल सिंह परमार के कब्जे से 2 किलो 63 ग्राम गांजा बरामद किया गया। कुल बरामद गांजे की मात्रा 4 किलो 104 ग्राम बताई गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह काफी समय से अवैध मादक पदार्थों की बिक्री कर रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि घर के पीछे खाली स्थान का उपयोग कर गांजे की बिक्री की जा रही थी।
मामले में तीसरा आरोपी अरविन्द राजा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने थाना नाराहट के ग्राम बरौदिया व हाल रामनगर निवासी केहर सिंह बुन्देला पुत्र राजेन्द्र सिंह, ग्राम खोंकरा निवासी छत्रपाल सिंह परमार पुत्र प्रीतम सिंह परमार को हिरासत में लिया है, जबकि ग्राम खोंकरा निवासी अरविन्द राजा पुत्र निरन राजा भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिएपुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस अभियान से नशा कारोबारी भूमिगत हो गये हैं।

न्यूज ब्रीफ

पत्रकार संजना सिंह के घर लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़े, 10 पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। एक महिला पत्रकार के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त करने, अभद्रता करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ला आजादपुरा निवासी संजना सिंह पत्नी स्व.अनवर एक मान्यता प्राप्त पत्रकार हैं, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 अप्रैल 2026 की शाम करीब 8.15 बजे जब वह घर से बाहर निकलीं तो देखा कि उनके घर और गली के मोड़ पर सुरक्षा के लिए लगाए गए दो सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए लटक रहे थे। आरोप है कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने कैमरे क्षतिग्रस्त किए और विरोध करने पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकियां दीं।
पीड़िता ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़िता ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि घटना के पीछे आपसी रंजिश और धार्मिक द्वेष की भावना भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी उनके कैमरे चोरी और नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हो चुकी हैं। मामले में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए गए हैं। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में राकेश नामदेव, पूजा कुशवाहा, मुकेश, बॉबी रैकवार, रज्जो, राधा, शिवानी ताम्रकार, संजय भारद्वाज, सत्यम ताम्रकार और नानू ताम्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों पर बीएनएस की धारा 191(2), 324(2), 352 और 351(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

नगर पालिका कर्मी से को पीटा और धमकाया, चार पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला पिसनारी बाग निवासी प्रियंक कुमार ने चार युवकों के खिलाफ मारपीट, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने, रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित ने बताया कि वह नगर पालिका परिषद में स्वास्थ्य नायक के पद पर कार्यरत है। बताया कि मोहल्ले के ही मोहित खटीक, अनिकेत, अमन पुत्रगण राकेश उर्फ झब्बू खटीक तथा सोनू यादव आए दिन उन्हें परेशान करते थे और ड्यूटी पर जाने से रोकते थे। आरोप है कि 15 अप्रैल 2026 की शाम करीब 5.30 बजे जब वह ड्यूटी से लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने रास्ता रोककर उनसे शराब के लिए 5 हजार रुपए की मांग की और विरोध करने पर मारपीट कर दी। आसपास के लोग आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दी।

पक्षी संरक्षण अभियान सराहनीय : ईओ नगरपालिका

तखत ग्रुप के साथ ईओ ने भी घर घर बाँटे जलपात्र

ललितपुर। जलपात्र वितरण करे ईओ और तखत ग्रुप सदस्य।

ललितपुर। भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के संरक्षण और उन्हें पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामाजिक संगठन तखत ग्रुप द्वारा चलाया जा रहा जलपात्र वितरण अभियान लगातार जनसमर्थन हासिल कर रहा है। अभियान के पांचवें दिन गुरुवार को नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा तखत ग्रुप के साथ पैदल चले और अभियान में शामिल होकर घर-घर जाकर जलपात्र वितरण में सहयोग किया।
ईओ ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पक्षियों का महत्वपूर्ण योगदान है। आधुनिकता की दौड़ में प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता को नुकसान पहुंच रहा है, ऐसे में पक्षियों का संरक्षण समय की माँग है। उन्होंने कहा कि घर-आंगन में दिखने वाली गौरैया जैसे पक्षियों की संख्या लगातार कम हो रही है, इसलिए इनके संरक्षण के लिए समाज को आगे आना होगा। उन्होंने तखत ग्रुप द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए जलपात्र वितरण को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इस तरह के अभियान समाज में संवेदनशीलता और जीव संरक्षण का संदेश देते हैं। अभियान के दौरान तखत ग्रुप के सदस्यों ने इलाइट क्षेत्र स्थित भगवान परशुराम मंदिर के आसपास, एलआईसी के पीछे, रामनगर एवं अन्य मोहल्लों में घर-घर जाकर जलपात्र वितरित किए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह सुबह और शाम अपने घरों की छत, छज्जों और खुले स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी अवश्य रखें। इस अवसर पर मज्जू सोनी, आशीष चौबे, सत्येन्द्र प्रताप सिंह सिसौदिया, विद्या मालवीय, अशोक अनौरा, राजेश दुबे, रिंकू बबेले, मिन्टू सिंघई, अभय जैन, सुदामा मिश्रा, मकरंद किलेदार विक्की, राजीव चौबे बुढ़वार, पार्षद अफजुल रहमान, पार्षद अशोक पंथ, अमित तिवारी, जितेन्द्र गोस्वामी, सोमू समैया, सुमेर जैन, विजय शर्मा, पप्पू पटवा, राजीव शर्मा, बृजेश जैन, मनीष पटाखा, जगदीश सोनी, अमित लखेरा आदि मौजूद रहे।

जनगणना कार्य शुरू : शहर के सभी वार्डों को किया ब्लॉक में विभाजित

ईओ के नेतृत्व में 52 सुपरवाइजर करेंगे निगरानी

ललितपुर। जनगणना के लिये तत्पर नपा कर्मी।

ललितपुर। नगर पालिका क्षेत्र में जनगणना-2027 की तैयारियाँ शुरू हो गयी हैं। नगर क्षेत्र के 26 वार्डों को 311 ब्लॉक (खण्डों) में बाँटा गया है, प्रत्येक खण्डों में एक प्रगणक की नियुक्ति की गयी है। प्रगणकों के कार्यों के पर्यवेक्षण के लिए 52 सुपरवाइजरों की नियुक्ति भी की गयी है। नगर के समस्त 26 वार्डो मे 22 मई 2026 से मकानों के सूचीकरण का कार्य प्रगणकों द्वारा आरम्भ किया जाएगा। नगर पालिका क्षेत्र में जनगणना-2027 के कार्यों को सुचारू रूप से कराने के लिए अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा को चार्ज अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 7 मई, 2026 से मकानों के सूचीकरण का कार्य मोबाइल ऐप के द्वारा नागरिक स्वयं भी कर सकेंगे। 7 मई, 2026 से जो नागरिक स्व-गणना करना चाहेगे, इसके लिए उन्हे अपने मोबाइल पर बेबसाइट खोलना होगा। उसके बाद यूपी को चुनना होगा। यूपी को चुनने के बाद पेज पर एक कैप्चा आएगा जिसे सही-सही नीचे निर्दिष्ट स्थान पर भरना होगा और भवन स्वामी को अपना मोबाइल नम्बर भरकर आगे बढ़ते जाना है। इसके बाद अपने घर का सही लोकेशन जियो टैग करना होगा और प्रत्येक सवाल का सही-सही उत्तर देते जाना है, अंत में स्वयं भरी गयी प्रविष्टियों का सत्यापन करने के उपरांत समिट कर देना है। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि जनगणना 2027 के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा समस्त तैयारियां कर ली गई है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा समस्त जनगणना प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, डेटा संकलन की विधि, घर-घर सर्वेक्षण की तकनीकी एवं आवश्यक सावधानियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है। जनगणना कार्य को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान चार्ज अधिकारी/ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, जनगणना प्रभारी/कर निर्धारण अधिकारी राजेंद्र प्रसाद, जनगणना लिपिक हबीब खान, लिपिक अमित पाराशर, कंप्यूटर ऑपरेटर भगवान सिंह कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

लापता व्यक्ति बनकर दूसरे ने की धोखाधड़ी

फर्जी आधार कार्ड बनाकर करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया

ललितपुर। शिकायत करने कलक्ट्रेट आये किसान नेता।

ललितपुर। ग्राम पटौराकलाँ में जमीन कारोबारियों द्वारा धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के सहारे बेशकीमती जमीन हड़पने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मंडल उपाध्यक्ष कीरत सिंह यादव ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मामले में शामिल ऐसे जमीन कारोबारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही करने और जमीन को वापस ग्राम सभा में दर्ज करने की मांग की है। ग्राम पटौराकलां निवासी शिवलाल पुत्र लच्छू सहरिया की कोई संतान नहीं थी, वह करीब 30 वर्षों से लापता हैं। उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाते हुए भू-कारोबारियों ने एक गहरी साजिश रची। आरोप है कि भू-कारोबारियों ने थाना जाखलौन के ग्राम नुनावली निवासी कसिया पुत्र निरपत को फर्जी तरीके से लापता शिवलाल बनाकर खड़ा कर दिया। ?शिकायत में खुलासा किया गया है कि आरोपी कसिया के आधार कार्ड में हेराफेरी कर उसे शिवलाल के रूप में पेश किया गया। इसी फर्जी पहचान के आधार पर 16 अप्रैल 2021 को दो अलग-अलग बैनामे क्रेता कल्याण उर्फ कल्लू के नाम करवा दिए गए। इस साजिश में विनोद पुत्र जग्गू और श्यामलाल पुत्र घन्सू को गवाह के तौर पर शामिल किया गया। ?हैरानी की बात यह है कि शिवलाल को यह जमीन पट्टे के जरिए मिली थी, जबकि बैनामे में इसे पैतृक संपत्ति दर्शाकर कानून की आँखों में धूल झोंकने की कोशिश की गई।
मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व में हुई जांच में लेखपाल और तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज शिवलाल एक लापता व्यक्ति है और उसके स्थान पर किसी छद्म व्यक्ति का सहारा लेकर धोखाधड़ी की गई है। इसी जाँच के आधार पर पूर्व में दाखिल-खारिज भी निरस्त हो चुका है। ?किसान नेता कीरत सिंह ने जिलाधिकारी से मांग की है कि फर्जीबाड़ा करने वाले भू-कारोबारियों और फर्जी बिक्रेता पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए, ?जमीन के कूटरचित दस्तावेजों को शून्य घोषित कर भूमि को ग्राम सभा के नाम दर्ज किया जाए, प्रकरण वर्तमान में उप-जिलाधिकारी के यहां विचाराधीन है, अतः इसमें त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए।

न्यायालय परिसर से राष्ट्रीय लोक अदालत प्रचार वाहन रवाना

जिला जज समेत अन्य न्यायाधीशो ने दिखायी हरी झण्डी

चित्रकूट। प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाते न्यायाधीश ।

चित्रकूट। जनपद न्यायालय परिसर से शेषमणि शुक्ला ने प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

रैली में अग्रणी बैंक चित्रकूट के तत्वावधान में प्रचार वाहन के माध्यम जागरूकता रैली कर्वी नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुये नौ मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार करेगी। राममणि पाठक अपर जिला जज ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत मे जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसीलों में शमनीय आपराधिक वाद अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किया जायेगा। इला चौधरी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत मे बैंकों एवं पराविधिक स्वयं सेवकों के सहयोग से राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार एवं आमजन मानस को जागरूक करने के लिये रैली निकाली गयी।

इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय राकेश कुमार यादव, राजेन्द्र प्रसाद भारती मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सचिन कुमार दीक्षित सिविल जज सी0डि0, अश्वनी कुमार उपाध्याय सिविल जज (सी0डि0)/एफटीसी, अंशुमान यादव अतिरिक्त सिविल जज (सी0डि0), सुश्री विदिशा भूषण सिविल जज (जू0डि0), सृष्टि शुक्ला, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, अभिनव कुमार दुबे, न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, अनुराग शर्मा अग्रणी प्रबन्धक इण्डियन बैंक उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बना कहर, सडक हादसे मे दो की मौत

चित्रकूट। जनपद के रैपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे पर गुरूवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की असमय मृत्यु हो गई। तेज रफ्तार और लापरवाही का कहर एक बार फिर मासूम जिंदगियों पर भारी पड़ा है। जानकारी के अनुसार घटना रैपुरा थाना क्षेत्र के वाल्मीकि आश्रम के समीप की है। यहाँ नेशनल हाईवे पार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार से आ रही एक अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला सड़क पर दूर जा गिरी और बाइक सवार युवक भी नियंत्रण खोने के कारण गंभीर रूप से चोटिल हो गया। हादसे में बाइक सवार युवक और महिला, दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के राहगीर और स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही रैपुरा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुँची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस द्वारा मृतकों की शिनाख्त की जा रही है और परिजनों को सूचित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। हाईवे पर यातायात को सुचारू रूप से बहाल कर दिया गया है।

डॉ आयुष तिवारी ने प्रथम श्रेणी पास की एम बी बी एस परीक्षा

नगरवासियों एवं बुद्धि जीवी लोगों ने किया हर्ष व्यक्त

गुरसरांय। नगर के खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी के पुत्र डॉ आयुष तिवारी ने एम बी बी एस प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण कर डॉक्टर की पढ़ाई पूरी की। बंगरा के ग्राम उल्दन निवासी डॉ आयुष तिवारी ने इण्टर मीडिएट की परीक्षा झांसी के अग्रणीय विद्यालय रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल से पास की।इसके बाद उन्होंने मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर से सम्बद्ध राजकीय मेडिकल कॉलेज विदिशा से पांच वर्षीय एम बी बी एस की पढ़ाई की।

उन्होंने बताया कि उनके पिताजी पं धनप्रकाश तिवारी एवं माताजी श्रीमती अर्चना तिवारी धार्मिक भावना एवं पढ़ाई के लिए प्रेरित करतीं रहतीं है।उन्हीं के आशीर्वाद एवं गुरुजनों की कृपा से यह लक्ष्य पूरा कर पाया हूँ।

उनके पिताजी नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य है,तथा उनके दो ताऊ बैंक में शाखा प्रबंधक रहे।बचपन से ही शिक्षा का माहौल घर परिवार में मिला।

उन्हीं सभी का आशीर्वाद एवं गुरुकृपा का परिणाम उनके जीवन मे है। आयुष तिवारी की उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पं देवेश पालीवाल, प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर, उप प्रबंधक पं बृजकिशोर व्यास,कोशाध्यक्ष सतीश चौरसिया, सुशील स्वामी,राकेश खरे, प्रवक्ता कैलाश प्रकाश गुप्ता,डॉ विवेक मुदगल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल, गोपाल अग्निहोत्री,राम लला पटेल,सरजू शरण पाठक,प्रांजल तिवारी,संजय दोन्दे रिया,विनोद कुमार,सुधीर कुमार पाठक ,इंद्रभूषण द्विवेदी ,अमित भदौरिया, सुनील व्यास, राकेश व्यास,सौरभ अग्रवाल,प्रदीप सोनी,बशीर खान,पुष्पेन्द्र वर्मा,दुर्गा प्रसाद,शिवम गिरी,राम सेवक गौतम,कुलदीप कोदबलकर ,कौशलेश मिश्रा,प्रवीण सिरोही,अशोक आर्या, योगेश अग्रवाल सहित नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त किया।।

बैमौसम आंधी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

चित्रकूट। जनपद में आज मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे भीषण गर्मी से राहत तो मिली लेकिन कुदरत के कहर ने भारी तबाही मचाई। शहर से लेकर गांवों तक तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश हुई और कई स्थानों पर बड़े-बड़े ओले गिरे। तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि दर्जनों घरों के टीन शेड उड़ गए और कई विशालकाय पेड़ धराशायी हो गए। सड़क किनारे खड़ी गाड़ियां पेड़ों के नीचे दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। ओलावृष्टि और आंधी से जनसंपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है, वहीं बिजली व्यवस्था भी पूरी तरह ठप हो गई है। प्रशासन नुकसान का आकलन कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्ट्रेट कार्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पत्रावलियों के रख-रखाव और शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम भूलेख अनुभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटर से विभागीय कार्यों की जानकारी ली, जिस पर अवगत कराया कि वर्तमान में खरीफ क्रॉप सर्वे का कार्य प्रगति पर है। इसके पश्चात भू-अभिलेख विभाग (एलआरसी) के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अंश निर्धारण की पत्रावलियों का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने लैंड रिकॉर्ड कीपर को कड़े निर्देश दिए कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत अंश निर्धारण की प्रक्रिया में कतई विलंब न किया जाए और इसे शीघ्रता से निष्पादित करें। लिंक एक्सप्रेस-वे से संबंधित उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पाया कि प्रकरण के निस्तारण समिति के गठन के निर्देशों का अभी तक पालन नहीं किया गया है। कार्य के प्रति इस घोर लापरवाही और उदासीनता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित पटल सहायक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए।

डीएम ने सीएमओ कार्यालय समेत मर्चरी का किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोस्टमार्टम हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता, अभिलेखों के रख-रखाव और बुनियादी ढांचे की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के प्रारंभ में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कार्यालय भवन के इतिहास एवं वर्तमान संचालन की जानकारी प्राप्त की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि उक्त परिसर पूर्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल के रूप में संचालित था, जिसे वर्तमान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यालय परिसर में प्रस्तावित नए सभागार (हॉल) के स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। पोस्टमार्टम हाउस की तत्पश्चात जिलाधिकारी ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोस्टमार्टम हाउस का सघन निरीक्षण किया। कंप्यूटर कक्ष के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से पोस्टमार्टम की ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रक्रिया की जांच की।

नगर को स्वच्छ रखने को नगर पालिका सजग

चित्रकूट। चित्रकूट धाम में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर नगर पालिका की सख्ती, स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग का लक्ष्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देशन में नगर पालिका परिषद द्वारा नगर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। नगर पालिका द्वारा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, स्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कूड़े का पृथक्करण (सोर्स सेग्रीगेशन), कूड़ा संग्रहण, परिवहन एवं समुचित निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए सभी लोग निर्धारित वाहन में ही कूड़ा दें तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से बचें। साथ ही गीले एवं सूखे कूड़े को अलग-अलग रखने की आदत अपनाएं ताकि कचरा प्रबंधन व्यवस्था बेहतर तरीके से संचालित हो सके। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम का उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन करते हुए नगर को प्रदेश के स्वच्छ एवं आदर्श नगरों की श्रेणी में शामिल करना है।

जबलपुर से हरिद्वार टेऽन का पुनः कराया जाये संचालन

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिला मंत्री हरिशंकर गुप्ता बालाघाट मध्य प्रदेश सांसद द्वारा रेल मंत्री, रेलवे बोर्ड अध्यक्ष को अवगत कराया है कि जबलपुर से हरिद्वार ट्रेन का संचालन वाया चित्रकूट धाम, बांदा हमीरपुर, कानपुर, लखनऊ सीतापुर, मुरादाबाद, हरिद्वार ट्रेन का संचालन पुनः किया जाए। धार्मिक क्षेत्र प्रभु चित्रकूट धाम से लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से केदारनाथ बद्रीनाथ की यात्रा के लिए इसी ट्रेन से यात्रा करते रहे हैं यह ट्रेन कोविड जैसी महामारी के समय पर बंद कर दी गई थी आता है इस ट्रेन का संचालन समय परिवर्तन करके पुनः चलाया जाए।

बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान मे लगा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

ग्रामीणों की जांच कर बांटे चश्मे

चित्रकूट। मरीज का नेत्र परीक्षण करते चिकित्सक।

चित्रकूट। पाठा क्षेत्र अंतर्गत आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र बिल्डिंग बिजहना कोलान बड़ी मडैयन एवं कम्पोजिट विद्यालय सेहरिन में बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 150 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया।

शिविर में उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की आंखों की गहन जांच की गई। जिन मरीजों को नजदीक अथवा दूर देखने में समस्या पाई गई, उन्हें निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। वहीं मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार एवं ऑपरेशन हेतु चित्रकूट रेफर किया गया। शिविर में मरीजों को आंखों की देखभाल एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां भी दी गई। एड. प्रखर पटेल ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और आगे भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्य लगातार किए जाएंगे। समाजसेवी मुकेश कुमार ने कहा कि पाठा क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है, इसलिए ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम में श्रीकांत पाण्डेय, इन्द्र पाल, जगनन्दन, डॉ. लवकुश यादव, जगत पटेल, अतुल, जानकी, लवकुश, अभय, निखिल, गौरा देवी, बुद्ध विलास सहित अन्य सहयोगी साथी मौजूद रहे।

अवैध खनन करते हुये 3 डंपर पकडे, बिना रॉयल्टी के भर रहे थे फर्राटे

मऊरानीपुर (झाँसी) जिलाधिकारी झाँसी के निर्देशन में अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में देर रात मऊरानीपुर तहसील क्षेत्र के खकौरा घाट पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बडी कार्यवाही करते हुये तीन डंपरों को अवैध बालू परिवहन करते हुये पकड लिया। बताया गया कि भंडरा से खकौरा के बीच बालू से भरे डंपर बिना रॉयल्टी के परिवहन कर रहे थे। हाल ही में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। जिसके बाद जिले भर में लगातार छापेमारी की जा रही है। खकौरा घाट से लगातार अवैध खनन की शिकायतें मिलने पर देर रात तहसील प्रशासन और पुलिस टीम ने छापामार कार्यवाही की। इस दौरान मौके पर खनन गतिविधि की जाँच की गयी। चालक सम्बन्धित रॉयल्टी और परिवहन के दस्तावेज नही दिखा सके। इसके बाद अधिकारियों ने तीनों डंपरों को कब्जे में लेकर सम्बन्धित धाराओं में कार्यवाही शुरु कर दी। कार्यवाही में उपजिलाधिकारी श्वेता साहू एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेन्द्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का फीता काटकर किया गया उद्घाटन

मऊरानीपुर (झाँसी) हनुमत कृपा महाविद्यालय रोरा में उत्तर प्रदेश कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा नगर अध्यक्ष रोहित सोनी के कर कमलों से माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं फीता काटकर किया गया। इसके साथ ही कॉलेज स्टाफके द्वारा अतिथि का माला पहनाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र प्रभारी मनोज कनौजिया, उप प्राचार्य राजपाल कुशवाहा, मनोज तिवारी सहित महाविधालय स्टाफएवं कौशल विकास प्रशिक्षण के लाभार्थी मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने पीडित परिजनों को बँधाया ढाँडस

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के प्रतिष्ठित सेहारे परिवार के युवा पुत्र की गम्भीर बीमारी से हुयी मृत्यु की घटना पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल, नगर अध्यक्ष रोहित सोनी, चंचल कंथरिया, राजेश बिलाटिया, भैया सूरौठिया, प्रधान शुभम वैध , अखिलेश गुप्ता, सहित अनेक पार्टी नेतागणों ने पहुँचकर मदन सेहारे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दुखी परिवार को ढाँडस बँधाया। साथ ही शोकसंवेदनायें व्यक्त की।

खाटू श्याम मेडीकल स्टोर का विधायक प्रतिनिधि ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के बिलैया चौराहे के समीप खाटू श्याम मेडीकल स्टोर का विधायक प्रतिनिधि पप्पू सेठ के कर कमलों से उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही संचालक ने अतिथि का तिलक लगाकर, माला पहनाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इसी के चलते पप्पू सेठ ने सर्वप्रथम संचालकगण को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी। इसके साथ ही विश्वास जताया कि यह मेडीकल स्टोर क्षेत्रवासियों को सुलभ ,विश्वसनीय एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। वही यह प्रतिष्ठान प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा और जनसेवा का सशक्त माध्यम बनेगा। इस मौके पर रामकिशोर भटनागर, रामआसरे महाराज, टिल्लू डॉक्टर, भगवत साहू, देवेन्द्र चतुर्वेदी, मानसिंह राठौर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बृजेन्द्र खरे तहसील लेखपाल संघ के निर्विरोध बने अध्यक्ष

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील लेखपाल संघ को मिला नया नेतृत्व, जिसमें बृजेन्द्र खरे को तहसील लेखपाल संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। जिसकी प्रक्रिया जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में सम्पन्न हुयी। इसी के चलते नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माला पहनाकर, बुके भेंट कर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर लेखपाल एवं तहसील स्टाफमौजूद रहा।

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वर्मा ने दी माँ सरस्वती देवी को श्रद्धांजलि

गुरसराय (झाँसी) पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप वर्मा समाजसेवी सतीश चंद्र चौरसिया एडवोकेट के निवास पर पहुँच कर उनकी माता जी सरस्वती देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि माता पिता के आशीर्वाद से ही हम सभी आगे बढ़ते हैं बिना माता पिता के आशीर्वाद से हम किसी भी कार्य में सफल नहीं हो सकते माता पिता का साया ही हमारी रक्षा करता है ।

इस मौक़े पर जिनेंद्र जैन अभिनव मिश्रा सत्यम सिंह कैलाश मिश्रा अवधेश सिंह फोजी रामनारायण पसतोर देवेंद्र पटेल शैलेन्द्र पाँचाल आत्माराम फ़ौजी नीरज सीला राजेश मिश्रा ब्रजेश खरे राजेंद्र साहू मनोज नायक कपिल सोनी धर्मेंद्र पटेल नवनीत नायक ऋतिक सोनी राहुल साहू शिवम जोशी सहित तमाम नेता गढ उपस्थित रहे।

जिला पंचायत की सड़क का किया भूमि पूजन

गुरसराय। ग्राम शीला में मुख्य मार्ग से हनुमान जी महाराज मंदिर तक लगभग 227 मीटर लंबी सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल द्वारा विधि-विधान से किया गया।

उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से ग्रामवासियों एवं मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा वर्षो से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. वेद प्रकाश पुजारी, बलराम गौतम, राकेश शर्मा, सुधीर पाठक, आदर्श शर्मा, जितेन्द्र मिश्रा, राजीव शर्मा लखावती , रघुराज सिंह परिहार, विजय शर्मा, सौरभ पिपरा, निर्मल शर्मा, सौरभ, संतराम अहिरवार , पवन कुशवाहा, लक्ष्मण कुशवाहा, नरेंद्र अहिरवार, बहादुर मुखिया , मुकेश सेरिया, उमेश अहिरवार, लखन पांचाल, मकुंदी पाल, सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

फिर जीत का केंद्र बने जितेंद्र सिंह सेंगर पश्चिम बंगाल में दिखा महोबा का जलवा

- खड़गपुर में दिलीप घोष की ऐतिहासिक जीत एमएलसी विधायक जितेंद्र सिंह सेंगर का तीन महीने का प्रवास आया काम
- महोबा के लाल की कमल को वाजपेई ने चलाया सोशल मीडिया पर ट्रेंड किया एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर का नाम

चरखारी महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। जीत के केंद्र बनने का गुण चरखारी महोबा भाजपा कार्यकर्ता एवं एमएलसी विधायक जितेंद्र सिंह सेंगर में सहज रूप से विद्यमान है पश्चिम बंगाल की खड़गपुर विधानसभा सीट पर दिलीप घोष की शानदार और ऐतिहासिक विजय ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब कोई नेता पार्टी और संगठन को सर्वोपरि रखते हुए नि स्वार्थ भाव से जुटता है तो सफलता स्वयं उसकी कदम चूमती है गौरतलब हो कि एमएलसी विधायक जितेंद्र सिंह सेंगर ने खड़गपुर में लगातार तीन माह तक प्रवास कर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को संगठित किया और हर वार्ड और बूथ पर जनसंपर्क अभियान चलाया और महोबा का जलवा बुंदेलखंड से उठाकर बंगाल की धरती पर बिखेर दिया उनकी इस मेहनत उदारता और समाज सेवा की भावना का परिणाम है की दिलीप घोष को भारी मतों से विजय श्री मिली एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर हमेशा समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता में रखते हैं खड़लपुर प्रवास के दौरान भी उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्याए सुनी उनके बीच रहे और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया उनकी इस पहुंच और सहजता का लाभ दिलीप घोष की जीत के रूप में मिला खगड़पुर मैं जीत का ऐलान होते ही पार्टी पदाधिकारी में और स्तानी नेताओं ने एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर के योगदान को सराहा सोशल मीडिया पर एमएलसी का नाम ट्रेड करता दिखा रहा है पश्चिम बंगाल के साथ ही समूचे महोबा में सोशल मीडिया साइटस पर बधाई देने वालों की तांता लगा रहा पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है आपने जो किया उसका अच्छा और शानदार प्रणाम आया हम सभी आप पर गर्व है इस जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि एमएलसी विधायक जितेंद्र सिंह सेंगर जैसा निडर समर्पित और पार्टी प्रथम नेता हो चुनावी समर में करिश्माई जीत दिलाते है।

विद्युत आपूर्ति रोस्टर के अनुरूप नियमित सुनिश्चित कराई जाए: बेबी रानी मौर्य

- जनपद में अतिकुपोषित 5533 बच्चों केसापेक्ष 5231 बच्चों के सुधरीकरण पर किया संतोष व्यक्त
- जनपद में ग्राम पंचायत की भूमि पर मॉल बनाकर पंचायत की बढ़ाएगें आयः जिलाधिकारी

झांसी जयूसं। मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, उत्तर प्रदेश शासन श्रीमती बेबी रानी मौर्य की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ शासन द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति समीक्षा की आवश्यक बैठक सर्किट हाउस सभागार में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी मंत्री ने जनपद में गर्मी को देखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि विद्युत आपूर्ति रोस्टर के अनुरूप नियमित एवं निर्बाध रूप से सुनिश्चित कराई जाए, ताकि किसानों एवं आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विद्युत ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि तथा जहां जरूरत हो, जर्जर तारों को बदलने की वहां तत्काल तार बदलने का कार्य किया जाए। जिलाधिकारी श्रीगौरांग राठी ने प्रभारी मंत्री को बताया कि शहर क्षेत्र में एक नया ट्रांसमिशन बन रहा है, लाइन डाली जा रही है। कार्य पूर्ण होते ही शहर से विद्युत की समस्या का निदान सुनिश्चित कर लिया जाएगा।

बैठक में आईसीडीएस पोषण अभियान की समीक्षा के दौरान मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने अति कुपोषित बच्चों की जानकारी ली और जनपद में सैम/ मैम में में चिन्हित 5533 बच्चों की सापेक्ष 5231 बच्चों के सुधरीकरण पर अच्छा कार्य होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने जनपद में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्र की जानकारी ली, वर्ष 2023-24 में 45 के सापेक्ष 43 पूर्ण एवं 02 निर्माणाधीन एवं वर्ष 2024-25 में 18 के सापेक्ष 12 पूर्ण 06 निर्माणाधीन को पूर्ण गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने वर्किंग वोमेन हॉस्टल और बालिका छात्रावास के निर्माण की जानकारी ली। उन्होंने राजकीय पॉलिटेक्निक झांसी में 415 प्रवेश हेतु स्वीकृत सीटों के सापेक्ष 376 पर संतोष व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द शत प्रतिशत प्रवेश कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आईटीआई में अच्छा कार्य होने पर संतोष व्यक्त किया।

बैठक का संचालन जिलाधिकारी गौरांग राठी ने किया। उन्होंने प्रत्येक विभाग की एक-एक परियोजना के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही ग्राम पंचायत की भूमि पर मॉल बनाकर ग्राम पंचायत की आय को बढ़ाए जाने का कार्य किया जाएगा। इसकी अतिरिक्त उन्होंने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जनपद में 13347 आवासों का निर्माण किया गया है।

समीक्षा बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम, जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार पटेल, विधायक मऊरानीपुर डॉ.रश्मि आर्या, विधायक गरौठा जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन, सभापति उत्तर प्रदेश उपभोक्ता सहकारी संघ लिमिटेड राज्यमंत्री जमना प्रसाद कुशवाहा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, सीडीओ रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, जॉइंट मजिस्ट्रेट आयुष सैनी, डीएफओ नीरज कुमार आर्य, सीएमओ डॉ. सुधाकर पांडेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे योगेन्द्र कुमार, आधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग दीपांकर चौधरी, डीएसटीओ डॉ.अर्चना सिंह, सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गणमान्य नागरिक इस स्व-गणना में अनिवार्य रुप से भागीदार बनें: प्रभारी मंत्री जी

झांसी जयूसं। मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ.प्र.शासन श्रीमती बेबीरानी मौर्य ने कहा कि आज को स्व-गणना का शुभारम्भ हो रहा है। मंत्री ने बताया कि दो चरणों में होने जा रही जनगणना 2027 के अन्तर्गत स्व-गणना का आज शुभारम्भ हुआ है। 21 मई 2026 तक जनपद के गणमान्य नागरिक पोर्टल पर ऑनलाइन जानकारी भर सकेंगे। जनगणना 2027 का कार्य डिजीटल माध्यम से कराया जा रहा है, जिसमें स्व-गणना भी एक विकल्प है। स्व-गणना प्रक्रिया में जानकारी भरने के पश्चात एस.ई.आई.डी. जनरेट होगी, जिसे 22 मई से 20 जून 2026 के दौरान जनगणना कार्य के लिए प्रगणक के घर जाने पर एसईआईडी को उनके साथ साझा किया जायेगा। प्रगणक की पुष्टि के उपरान्त ही मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य पूर्ण होगा। प्रगणक 22 मई से 20 जून 2026 तक की अवधि में प्रत्येक घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

सड़क निर्माण कार्यका नगर विधायक ने किया निरीक्षण

झाँसी जयूसं। नगर विधायक रवि शर्मा ने नगर आयुक्त आकांक्षा राणा, मुख्य अभियंता एवं नगर निगम के अन्य अधिकारियों के साथ महानगर के वार्ड नं. 31 स्थित आईटीआई क्षेत्र में रेलवे अंडर ब्रिज से हरिकिशन डिग्री कॉलेज होते हुए शिवपुरी हाईवे की ओर जाने वाले मार्ग पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यह कार्य मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत कराया जा रहा है। इस अवसर पर नगर विधायक रवि शर्मा ने कहा कि सीएम- जीआर आईडी योजना के तहत उक्त सड़क का चौड़ीकरण कर शहर की यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सड़क पर भूमिगत यूटिलिटी डक्ट, आधुनिक फुटपाथ, हरित क्षेत्र (ग्रीन जोन), सौर ऊर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइट तथा विद्युत लाइनों को अंडरग्राउंड डालकर साइड पटरी को आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क के नीचे यूटिलिटी डक्ट बनाए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में बिजली एवं पानी की पाइपलाइन डालने या मरम्मत के लिए सड़क को बार-बार खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय सभासद रितिका -गौरव तिवारी, प्रवीण लखेरा, अरविन्द झा, रजनीश देव शर्मा, चन्द्रप्रकाश सिंह उपस्थित रहे।

अधिक उपज के लिए ककोड़ा की खेती में रखें नर-मादा पौधों का सही अनुपातः डॉ. आशुतोष

झांसी जयूसं। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के कृषि वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष सिंह ने किसानों को ककोड़ा की व्यावसायिक खेती अपनानेकी सलाह देते हुए कहा कि यदि किसान नर एवं मादा पौधों का सही अनुपात बनाए रखें तो कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ककोड़ा की खेती विशेष रूप से गर्मी के मौसम में अधिक लाभकारी सिद्ध होती है तथा इसकी बुवाई जून माह के दूसरे सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक उपयुक्त रहती है। वर्षा ऋतु में जुलाई के अंत तक भी इसकी बुवाई की जा सकती है। डॉ. सिंह के अनुसार ककोड़ा का प्रवर्धन बीज, तना एवं कंद तीनों विधियों से किया जाता है, लेकिन अधिक उत्पादन के लिए नर-मादा पौधों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। चूंकि ककोड़ा में नर एवं मादा पौधे अलग-अलग होते हैं तथा फल केवल मादा पौधों में लगते हैं, इसलिए खेत में अधिक मादा पौधे होने पर उपज में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

चारा नीति 2024 के तहत हरे चारे की उपलब्धता को स्थानीय किसानों से अनुबन्ध के माध्यम से करेंनोडल अधिकारी

झांसी जयूसं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार शासन द्वारा नामित मंडलीय नोडल अधिकारी डॉ.अनिल कुमार की अध्यक्षता मेंमण्डल स्तरीय गौवंश संरक्षण मूल्यांकन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में अपर निदेशक ग्रेड-2 झांसी मण्डल द्वारा मण्डल के तीनों जनपदों (झांसी, जालौन एवं ललितपुर) में गौवंश संरक्षण के विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। बैठक में मंडलीय नोडल अधिकारी डॉ.अनिल कुमार ने भूसा संग्रहण अभियान की समीक्षा करते हुये निर्देश दिए कि आगामी समय में भूसा संग्रहण हेतु शासन से प्राप्त लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललितपुर शेषनाथ चौहान, उपनिदेशक पंचायत अजय आनंद सरोज, झांसी मण्डल के समस्त मनरेगा उपायुक्त, डी.पी.आर. ओ., खण्ड विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं पशुचिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत आपूर्ति की शिकायतों का प्राथमिकता से स्वत: संज्ञान लें विभागीय अधिकारी : सदर विधायक

- नगर वासियोंकी सुविधा अनुसार विद्युत उपकेन्द्रों पर अधिकारियों के नाम एवं मोबाइल नम्बर अंकित करायें
- नगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणात्मक प्रगति के परीक्षण को ली गई अधिकारियों की बैठक

झांसी जयूसं। मण्डलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता एवंसदर विधायक रवि शर्माकी उपस्थिति में गर्मी के दृष्टिगत जनपद के नगरीय क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति पूर्ण किये जाने हेतु विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आवश्यक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। समीक्षा बैठक मेंसदर विधायक रवि शर्मा ने नगर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाये जाने हेतु अपने सुझाव प्रदान करते हुये कहा कि विद्युत आपूर्ति की समस्याओं के पारदर्शी निराकरण हेतु प्रत्येक उपकेन्द्र पर सम्बन्धित अधिकारियों के नाम एवं मोबाइल नम्बर अंकित करायें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुगम बनाये जाने हेतु विद्युत लाइनों को पृथक कराएं। इसके साथ ही विधायक निधि के अन्तर्गत आवंटित धनराशि के सापेक्ष विद्युत आपूर्ति के कार्यो को शीघ्र पूर्ण करायें। तेज आंधी के समय बाधित विद्युत आपूर्ति की समस्याओं के निस्तारण हेतु अधिकारी शिकायतों का प्राथमिकता से संज्ञान लें, इसके साथ ही मैनलाइन के आस-पास लगे पेड़ों का समय से अनुरक्षण पूर्ण करें, जिससे नगरवासियों को किसी प्रकार की समस्या न हों। क्षतिग्रस्त एवं मरममत योग्य विद्युत पोलों का अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुये प्राथमिकता से इन पोलों को नये पोलों से परिवर्तित करें एवं मरम्मत योग्य विद्युत पोलों की मरम्मत करायें। विद्युत आपूर्ति की शिकायतों का भी अधिकारी प्राथमिकता से संज्ञान लेते हुये निस्तारण करायें। बैठक में मंडलायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति की शिकायतों का समय से गुणवत्तापरक निस्तारण पूर्ण करायें, साथ ही कृत कार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को भी समय-समय पर अवगत करायें। बैठक में मुख्य अभियंता विद्युत के.पी. खान ने नगरीय क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति हेतु किये जा रहे कार्यो के गुणात्मक प्रगति की जानकारी प्रदान करते हुये कहा कि विभाग द्वारा 16 नग 33 केवी उपकेन्द्रों के जनपद झांसी के नगरीय क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति पूर्ण की जा रही है, जिसके लिए 360 एमवीए क्षमता वाले पावर ट्रांसफॉर्मर सहित जेल चैराहा उपकेन्द्र पर 01 नग अतिरिक्त 10 एमवीए ट्रांसफॉर्मर को 03 मई 2026 को ऊर्जीकृत किया गया है, इसके साथ ही 33 केवी उपकेन्द्र जेल चैराहा एवं मुन्नालाल पावर हाउस को द्वितीय 33 केवी सोर्स उपलब्ध कराये जाने हेतु 132 केवी हंसारी डबल सर्किट लाइन का निर्माण प्रगति पर है, जिसका कार्य मई माह के अन्त तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। उन्होंने बताया कि पूर्व में 132 केवी हंसारी से पोषित 33 केवी गल्ला मण्डी लाइन पर 33 केवी उपकेन्द्र बरुआसागर ग्रामीण उपकेन्द्र भी जुड़ा हुआ है, जिसे अलग करने के पश्चात गल्ला मण्डी की विद्युत आपूर्ति में गुणात्मक वृद्धि हो सकेगी। इसी प्रकार नन्दनपुरा 33 केवी उपकेन्द्र के तहत नन्दनपुरा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुचारु करने के लिए 33 केवी उपकेन्द्र अठौंदना का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसे एक सप्ताह के भीतर ऊर्जीकृत किया जायेगा। 33 केवी उपकेन्द्र मेडीकल पर स्थापित क्षमता 30 एमवीए से 40 एमवीए किया जा रहा है, इस कार्य को मई माह के अन्त तक पूर्ण कर लिया जायेगा, जिसके पश्चात मेडीकल के आस-पास के क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणात्मक क्षमता में वृद्धि हो सकेगी। मुख्य अभियंता ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में ओवरलोड की समस्या के निराकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 नग ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि और 17 नग नये ट्रांसफॉर्मर स्थापित किये गये। इसी प्रकार वित्ततीय वर्ष 2025-26 में 29 नग ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि और 17 नग नये ट्रांसफॉर्मर स्थापित किये गये तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 55 नग ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि और 131 नग नये ट्रांसफॉर्मर स्थापित किये जायेंगे। झांसी महानगर की विद्युत आपूर्ति वर्तमान में 02 नग पारेषण उपकेन्द्र (133 केवी हंसारी तथा 220 केवी दुनारा) से संचालित होती है, भविष्य की विद्युत आपूर्ति मांग को ध्यान में रखते हुये विभाग द्वारा महानगर में नव प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर में 132 केवी विद्युत पारेषण उपकेन्द्र के स्थापना की स्वीकृत शासन स्तर से प्राप्त हो चुकी है, जिससे सम्बन्धित अग्रिम कार्यवाही प्रगति पर है। 2026-27 में 33 केवी उपकेन्द्र नगरा में स्थापना क्षमता 20 एमवीए से 25 एमवीए किये जाने हेतु स्वीकृति शासन से प्राप्त हो चुकी है, जिस पर कार्य प्रगति पर है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य अभियंता नगरीय विद्युत के.पी. खान, अधीक्षण अभियंता नगरीय विद्युत पुष्कर सिंह, अधिशाषी अभियंता -वाणिज्य रवीन्द्र कुमार, अधिशाषी अभियंता 11 केवी एलटी मनोज कुमार, अधिशाषी अभियंता -पारेषण अनमोल डोंगरे सहित शहरी उपखण्ड विद्युत के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमती विद्यावती कॉलेज : बी.एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम. व ए.एन.एम. अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह सम्पन्न

- बी.एस.सी. नर्सिंग से मि. फेयरवेल आदित्य नारायण पांडे व मिस. फेयरवेल सोम्या पाठक व जी.एन.एम. से मि. फेयरवेल आलोक मिस. फेयरवेल सिफा चुनी गयी

झाँसी जयूसं। श्रीमती विद्यावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बी.एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम. एवं ए.एन.एम. अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं का विदाई समारोह को बहुत ही रंगारंग एवं हर्षोल्लास कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। संस्थान के चेयरमैन विद्यानिधि मिश्र ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थान के छात्र-छात्राओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत वैज अलंकरण कर एवं तिलक वंदन कर किया। प्राचार्य डॉ.वीरेन्द्र सिंह चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपने संस्थान से जो संस्कार व शिक्षा प्राप्त की है वह आपके उज्जवल भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सीनियर्स छात्र-छात्राओं ने संस्थान में बिताये हुए अपने यादगार पलों को जूनियर्स के साथ साझा किया। जूनियर छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियर्स की विदाई समारोह में विभिन्न ज्ञानवर्धक, बौद्धिक, स्वागत नृत्य, सोलो नृत्य, सोलो सांग, मनोरंजक खेल, कविता, रैंप वॉक एवं सांस्कृ तिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कई राउंडो में हुयी रैंप वॉक एवं क्विज प्रतियोगिता में दिए गये अंको के आधार पर बी.एस.सी. नर्सिंग से मि.फेयरवेल आदित्य नारायण पांडे व मिस. फेयरवेल सोम्या पाठक एवं जी.एन.एम.से मि.फेयरवेल आलोक मिस.फेयरवेल सिफा चुनी गयी । कार्यक्रम मेंउप प्राचार्या डॉ.गीता चौधरी ने सैसे एवं उपहार भेंटकर विजेताओ को सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के सचिव मानस मिश्र, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र चतुर्वेदी, प्रशासनिक अधिकारी साहब सिंह दहिया, फार्मेसी विभाग के निर्देशक डॉ.वैभव श्रीवास्तव, एजूकेशन विभाग के प्राचार्य डॉ.अनिल कुमार दुबे, डॉ.सुधा रिछारिया, दीपा मिश्रा, मनोज कुशवाह, रितिका जैनित सिंह, अभिषेक इफाईम, शालभी उपाध्याय, सुजाता पुनिया, राहुल कटारा, प्रिया सेन, निशिका गुप्ता, वर्षा यादव, आईवा, शैलेन्द्र नामदेव पूजा आर्यो एवं समस्त स्टाफ तथा छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बी.एस.सी. नर्सिंग सेमेस्टर के सोमेश रिछारिया तथा मोनिका जोशिफ एवं आगन्तुक अतिथियों का आभार डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौधरी ने व्यक्त किया।

अभाविप करेगी उग्र आंदोलन

झांसी जयूसं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रही अनियमिताओं केखिलाफ मोर्चा खोल विरोध प्रदर्शन किया गया और समस्याओं को अवगत कराते हुए आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन दिया। वक्ताओं ने कहा कि एक हफ्ते के अंदर समस्याओं पर अगर कदम नहीं उठाया गया तो विद्यार्थी परिषद झांसी महानगर के कार्यकर्ता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य रहेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी आयुर्वेदिक कॉलेज प्रशासन की होगी और किसी की नहीं। इस अवसर पर महानगर मंत्री सुयश शुक्ला, संगठन मंत्री निर्भय प्रताप, जिला संगठन मंत्री आकाश सिंह, महानगर सह मंत्री कल्याण चौधरी, श्याम शर्मा, देव पांडे, अर्पित अग्रवाल, प्रिंस लखेरा, सूर्य प्रताप, सक्षम गुप्ता, अमरजीत, शोभित द्विवेदी, अंकुश पाल, आनंदपाल, आयुष श्रीवास, हर्ष साहू, हर्षवर्धन साहू, अभिराज सिरोनिया, प्रवीण यादव, लव कुश पटेल, अप्रिय यादव, समीर रिछारिया, सक्षम राजपूत सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

23 करोड़ के सौंदर्यीकरण में गुम हो गया नारायण बाग का अस्तित्व

झांसी जयूसं। ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर स्थल नारायण बाग इन दिनों अपनेअस्तित्व और पर्यावरणीय संतुलन को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों का आरोप है कि लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से किए गए सौंदर्यीकरण कार्यों ने बाग की प्राकृतिक पहचान को गंभीर नुकसान पहुँचाया है।

झांसी के पर्यावरण कार्यकर्ता नरेन्द्र कुशवाहा ने झांसी के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा मीडिया से अपील की है कि वे स्वयं नारायण बाग पहुंचकर वहां की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण करें। उनका कहना है कि कुछ वर्ष पूर्व तक यह स्थल हरियाली, प्राकृतिक सुगंध और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध था। यहां लगभग 200 वर्ष पुराना केवड़ा बाग मौजूद था, जिसकी खुशबू पूरे क्षेत्र को महका देती थी। स्थानीय लोगों के अनुसार नारायण बाग में मोर, खरगोश, अजगर सहित कई वन्य जीव दिखाई देते थे। यहां औषधीय पौधों की नर्सरी भी विकसित थी, जिसमें सर्पगंधा, मुलैठी और शंखपुष्पी जैसी प्रजातियां संरक्षित थीं। पुराने विशाल वृक्ष, फूल-फल प्रदर्शनी तथा मॉर्निंग वॉक, योग और व्यायाम के लिए आने वाले लोगों की चहल-पहल इस स्थल की विशेष पहचान मानी जाती थी। हालांकि अब स्थिति बदल चुकी है। आरोप है कि सौंदर्यीकरण कार्यों के दौरान हजारों पेड़ और ऐतिहासिक केबड़ा बाग नष्ट कर दिए गए तथा प्राकृतिक मिट्टी वाले क्षेत्र की जगह लगभग दो किलोमीटर लंबा पक्का पाथवे बना दिया गया। इसके अतिरिक्त शहर के गंदे नालों का पानी बाग क्षेत्र में छोड़े जाने से दलदल और दुर्गंध की समस्या उत्पन्न हो गई है, जिससे बड़ी मात्रा में हरियाली प्रभावित हुई है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यदि समय रहते संरक्षण के प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो झांसी अपनी एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर खो सकता है। नागरिकों ने प्रशासन से नारायण बाग की पर्यावरणीय स्थिति की निष्पक्ष जांच, हरियाली पुर्नस्थापन और प्रदूषित जल निकासी रोकने की मांग की है।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी